मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 8 सितंबर 2025

संवत 2082, भाद्रपद शुक्ल 16 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 04 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ पेड़ों के अवैध कटान से बड़े खतरे की तरफ बढ़ते हम२२२२२२

प्रभास ने अनुष्का शेट्टी को 'घाटी के लिए दीं शुभकामनाए ◂◂ 6

शादी के लिए नहीं माने घरवाले, प्रेमी युगल ने जहर खाकर की आत्महत्या

संवाददाता

हजारीबाग : जिले के बड़कागांव से एक बेहद ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है। बड़कागांव थाना क्षेत्र के पुंदौल गांव में शादी के लिए घरवालों की रजामंदी नहीं मिलने से परेशान एक प्रेमी जोड़े ने शनिवार की रात जहर खाकर आत्महत्या कर ली। युवक की पहचान 26 वर्षीय मंटू पांडेय और युवती की पहचान सुलेखा कुमारी के रूप में हुई है।

घंटों की वीडियो कॉल पर बातः दोनों ने जहर खाने से पहले घंटों वीडियो कॉल पर एक-दूसरे से बातचीत की थी। जहर खाने के बाद दोनों की स्थिति बिगड़ने लगी, जिसके बाद गंभीर अवस्था में दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में दोनों की मौत हो गयी। अंत में दोनों का अंतिम संस्कार एक ही श्मशान घाट चंदौल में किया गया। शादी के लिए घर वाले नहीं हुए राजीः बताया जा रहा है कि युवक-युवती दोनों अलग-अलग जाति के थे। इसी कारण दोनों के परिवार वाले उनकी शादी कराने के लिए नहीं मान रहे थे। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसकी जानकारी दोनों के परिजनों को हो गयी। इसके बाद दोनों ने शादी का प्रस्ताव परिवारवालों के समक्ष रखा, लेकिन परिवारवाले राजी नहीं हुए। इसी बीच 6 सितंबर की रात दोनों ने अपने-अपने घर से वीडियो कॉलिंग पर एक-दूसरे से घंटों बात की और जहर खा लिया। श्मशान घाट से पोस्टमार्टम के लिए लाया गया शवः इस संबंध में बड़कागांव थाना के एसआइ अभिषेक कुमार ने कहा कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है। इसकी सूचना मिलते ही श्मशान घाट पहुंचकर युवती के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग भेज दिया। युवक की मौत हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में होने के बाद उसका पोस्टमार्टम अस्पताल में ही किया गया।

परिवार से बात करते- करते युवक ने लगाई फांसी , 6 महीने पहले हुई थी शादी

बोकारो : जिले के बालीडीह से एक बेहद ही हैरान करने वाली घटना सामने आयी है। यहां कल रविवार को एक रेलकर्मी ने अपने परिवार के सदस्यों से बात करते हुए फांसी लगा ली और अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान हजारीबाग निवासी 32 वर्षीय राकेश कुमार के रूप में हुई है। वह रेलवे कॉलोनी स्थित डीएस 1/102-ए में परिवार के किसी सदस्य से बात करते-करते फांसी के फंदे से झूल गया। उसकी 6 महीने पहले ही शादी हुई थी। इस घटना के तुरंत बाद परिजनों ने इसकी सूचना रेलवे कॉलोनी में ही रहने वाले किसी से परिचित को दिया। परिचित आनन-फानन में उसके आवास पर पहुंचा, लेकिन दरवाजा बंद था। जब तक दरवाजा तोड़ कर वह अंदर गया, तब तक रेलकर्मी की जान जा चुकी थी। फंदे से लटके राकेश के दोनों कान में इयरबर्डस लगे हुए थे। बलीडीह थाना इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह को मामले की सूचना दी गयी, जिसके बाद दलबल के साथ पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवास के अंदर की स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद परिजनों को घटना की सूचना दी। परिवार के सदस्य के इंतजार में पुलिस ने मृतक का शव बोकारो जनरल अस्पताल के मर्चरी में रखवा दिया है। शव के पास से पुलिस को किसी तरह का कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आज सोमवार को मृतक का पोस्टमार्टम कराया जायेगा। जानकारी के अनुसार मृतक राकेश कुमार ने रेलवे में वर्ष 2023 में बतौर टेक्नीशियन ज्वाइन किया था। फिलहाल वह बोकारो रेलवे में टेक्नीशियन-3/सी एंड डब्लू की पोस्ट पर कार्य कर रहा था। राकेश मूल रूप से हजारीबाग के रहने वाले थे। बोकारो रेल आवास में फिलहाल राकेश अकेले रहते थे। आत्महत्या की खबर सुनकर बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी व अधिकारी आवास पहुंचकर कारण जानने का प्रयास कर रहे थे।

ट्रक से टकराई देवघर से लौट रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो, 11 घायल

एजेंसी

पटनाः सारण जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हाजीपुर छपरा मुख्य मार्ग शिव बच्चन चौक के निकट सड़क पर खड़ी ट्रक में अनियंत्रित बोलेरो की टक्कर से बोलेरो सवार 11 व्यक्ति घायल हो गए। मौके पर अफरातफरी मच गई। हादसे की सूचना पर आसपास के लोग एवं राहगीर जुट गए। घटना की जानकारी स्थानीय थाना की पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को आनन-फानन में स्थानीय अस्पताल सोनपुर पहुंचाया गया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए आठ व्यक्ति को सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर कर दिया।सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर लाया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा सभी घायलों का इलाज किया गया। घटना सोमवार की अल सुबह की बताई गई है। घटना के संबंध में बताया गया की घटना के बाद बोलेरो चालक मौके से फरार हो गया। बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मिली जानकारी के अनुसार हादसे में घायल सीतामढ़ी जिला एवं मुजफ्फरपुर जिले के रहने वाले बताए गए। बोलेरो पर सवार होकर सभी अपने घर से झारखंड स्थित देवघर बाबा धाम जलाभिषेक करने गये थे।वहां से लौटने के बाद सभी सोनपुर पहलेजा घाट से जल लेकर बाबा गरीब नाथ धाम मुजफ्फरपुर जिला अभिषेक के लिए जाना था। इसी दौरान रास्ते में खड़ी ट्रक में अनियंत्रित बोलेरो टक्कर मार दिया। जिसमें बोलेरो सवार 11 व्यक्ति घायल हो गए। सभी को सोनपुर अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को जान से मारने की धमकी, फोन कर कहा- तुम बस इंतजार करो तुम्हें बहुत जल्द उड़ा देंगे

रांची : झारखंड सरकार में स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन मंत्री इरफान अंसारी को जान से मारने की धमकी दी गई है। रविवार देर रात मोबाइल नंबर 7005758247 से फोन कर उन्हें धमकी दी गई है। मंत्री को फोन करने वाले ने कहा-तुम बस इंतजार करो तुम्हें बहुत जल्द उड़ा देंगे। सूत्रों के अनुसार, मंत्री इस समय बोकारो में मौजूद हैं। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई है। इससे पहले भी गिरिडीह के रहने वाले एक शख्स ने मंत्री इरफान अंसारी के साथ सुदिव्य कुमार सोनू को जान से मारने की धमकी दी थी। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी को पटना से गिरफ्तार किया था।

सलमान खान ने पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए की मदद की अपील

एजेंसी

चंडीगढ़ः पंजाब के कई जिलों में आई बाढ़ ने लोगों की फसलें, मकान सबकुछ तबाह कर दिया है। वहीं, इस हालात में जहां पालीवुड इंडस्ट्री ने मदद के हाथ बढ़ाए तो वहीं दूसरी तरफ बालीवुड से भी मदद की गई है। अब, बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने अपने टीवी शो बिगबॉस में पंजाब में आई बाढ़ को लेकर चिंता जताई और मदद की अपील की। सलमान खान ने कहा कि पंजाब हमेशा जरूरतमंदों की मदद करता रहा है, लेकिन आज खुद एक विकट परिस्थिति में है, इसलिए आगे बढ़कर मदद करनी चाहिए। सलमान खान ने बताया कि पंजाब में बाढ़ से भारी तबाही मची है। किसानों के घर बह गए हैं और कई घर गिर गए हैं, जिससे उन लोगों के पास रहने की जगह नहीं बची, जबकि ये वही किसान हैं जो हमारे लिए खाना उगाते हैं। सलमान खान ने कहा कि यह कौम सोशल सर्विस के लिए जानी जाती है। उन्होंने बताया कि यह कौम लंगर और बिना किसी स्वार्थ के लोगों की मदद के लिए प्रसिद्ध है। सैकड़ों सालों तक इस कौम ने लोगों को खाना बांटा है, किसी को निराश नहीं किया और भूखे पेट वापस नहीं भेजा। सलमान ने कहा कि अब हमारी बारी है, हमें भी अपना योगदान देना चाहिए। पंजाब के कई सिंगर पहले ही मदद कर चुके हैं, और हम लोग भी पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के लिए सहायता की कोशिश कर रहे हैं।

शराबी पति ने पीट- पीटकर पत्नी की हत्या कर दी

संवाददाता

धनबादः सुदामडीह थाना क्षेत्र के पाथरडीह पांडे बस्ती में बीती रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां रहने वाले उमेश गुलगुलिया ने अपनी पत्नी सोनिया देवी की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी है। सुदामडीह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है और आगे की कार्रवाई में जुटी है। परिजनों ने दामाद पर लगाया गंभीर आरोपः बताया जा रहा है कि उमेश देर रात अपने घर लौटा था। इस दौरान पत्नी को घर में नहीं पाया। करीब दो घंटे बाद वह वापस घर लौटी। इसी बात से नाराज पति ने अपनी पत्नी की पिटाई कर दी। इसके बाद खाना खाने के बाद दोनों सो गए। सुबह उठने पर सोनिया देवी मृत अवस्था में पाई गई। वहीं, महिला के भाई और बहन ने मृतका के पति पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उमेश गुलगुलिया अक्सर शराब के नशे में पत्नी के साथ मारपीट करता था। बीती रात मारपीट की और फिर लाठी डंडे से पीटकर हत्या कर दी। जबकि, आरोपी पति उमेश गुलगुलिया का कहना है कि रविवार की रात वह करीब 8 बजे घर आया था। पत्नी घर में नहीं थी। रात 10 बजे वह घर लौटी, जिसके बाद उससे खाना मांगा। खाना खाने के बाद हम दोनों के बीच मारपीट हुई। उसके बाद वह सो गई। इस दौरान सुबह करीब 3 बजे उठकर देखा तो वह बेड पर मृत अवस्था में मिली। इधर, मामले को लेकर सिंदरी डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम ने कहा कि आरोपी पति उमेश गुलगुलिया को हिरासत में लिया गया है। घटना को लेकर पुलिस टीम उससे पूछताछ कर रही है। आगे की कार्रवाई भी की जा रही है।

तेज रफ्तार हाईवा ने बच्ची को कुचला, मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

रांची : पाकुड़ जिले के सोनाजोड़ी में सोमवार को हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। सोनाजोड़ी उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पास सड़क पार कर रही सात वर्षीय सना खातून को चिप्स लदा तेज रफ्तार हाईवा ने कुचल दिया। मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान सोनाजोड़ी निवासी रियाज अंसारी की पुत्री के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सना अनाथ थी और उसकी परवरिश परिवार के अन्य सदस्य कर रहे थे। हादसे से आक्रोशित ग्रामीण सड़क पर उतर आए और मुख्य मार्ग को घंटों जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन की लापरवाही के कारण आए दिन ऐसे हादसे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शाम 6 बजे के बाद इस मार्ग पर भारी वाहनों की नो-एंट्री लागू रहती है, लेकिन बावजूद इसके ओवरलोडेड ट्रक और हाईवा तेज रफ्तार से गुजरते हैं। ग्रामीण रहमान अंसारी ने बताया कि सोनाजोड़ी के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में लगभग 500 बच्चे पढ़ते हैं और उन्हें रोज इसी सड़क को पार करना पड़ता है। बावजूद इसके स्कूल के सामने न तो स्पीड ब्रेकर है और न ही कोई अन्य सुरक्षा व्यवस्था। यही स्थिति सोनाजोड़ी सदर अस्पताल के पास भी है। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि जब तक स्कूल और अस्पताल के पास स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए जाते, उनका सड़क जाम आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने दोषी वाहन चालक और परिवहन विभाग पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। यह हादसा प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है और उन ग्रामीणों की पीड़ा सामने लाता है, जो बार-बार ऐसे हादसों से जूझ रहे हैं।

पहलगाम हमले को लेकर बिहार में एनआईए का छापा

-आरोपी एखलाख के निशानदेही पर कटिहार में रेड, हिरासत में दुगार्पुर का इकबाल

एजेंसी

नई दिल्लीः पहलगाम हमले में कथित रूप से शामिल चेन्नई से गिरफ्तार मो। एकलाख के निशानदेही पर एनआईए की टीम ने कटिहार के सेमापुर ओपी क्षेत्र के बालू घाट दुगार्पुर में छापेमारी की। आरोपी एकलाख बालू घाट सेमापुर का रहने वाला है जो चेन्नई में पिछले कई सालों से राजमिस्त्री का काम करता था। एनआईए की टीम ने सोमवार को बिहार समेत 5 राज्यों के 22 जगहों पर छापेमारी की है। बिहार के आठ स्थानों, कर्नाटक-महाराष्ट्र-तमिलनाडू में एक-एक जगह और उत्तप्रदेश में दो जगह एवं जन्मू-कश्मीर में 9 जगहों पर छापेमारी की है। पहलगाम हमले के कनेक्शन को लेकर बीते दिनों एनआईए ने मो। एकलाख को गिरफ्तार किया था। उसके मोबाइल चैट से एनआईए को पाकिस्तान से भी जुड़ने के तार मिले हैं। उससे पूछताछ और मोबाइल से बातचीत के आधार पर एनआईए की टीम बालू घाट दुगार्पुर पहुंची और मो। इकबाल के घर छापेमारी कर उसे हिरासत में ले लिया। साथ ही उसकी निशानदेही पर पड़ोसी मो। मुबारक और नूर हासिम के घर छापेमारी की। मो। इकबाल के घर के लोगों को एक लिखित नोटिस भी दिया गया है, जिसकी पुष्टि उसके भाई सीएसपी संचालक वसिक ने की है। छापेमारी को लेकर स्थानीय ग्रामीणों को कहना है कि एनआईए की टीम बक्से में मोबाइल और सिम लेकर गई है।

बताया जा रहा है कि जरूरी इनपुट के आधार पर एनआईए की अलग-अलग टीमों ने छापेमारी की है। इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि यह छापेमारी राज्य पुलिस के सहयोग से उन लोगों के घर और ठिकानों पर की जा रही है जिनको लेकर आशंका है कि वो एंटी-नेशनल नेटवर्क से जुड़े हैं। इससे पहले इस मामले में दर्ज केस संख्या- आरसी-1/2025/एनआईए/सीएचई की जांच एनआई को सौंपी गई थी। मामले की संवेदनशीलता और देश की सुरक्षा से जुड़ा मसला होने की वजह से गृह मंत्रालय की तरफ से इस केस की जांच एनआई को सौंपी गई थी। जम्मू कश्मीर के जंगम पट्टन जंगम पट्टन एरिया में भी आरोपियों से जुड़े लोकेशन पर भी सर्च ऑपरेशन की कार्रवाई की जा रही है। आपको बता दें कि हाल के दिनों में एनआईए ने टेरर फंडिंग, उनके भर्ती मॉड्यूल और विभिन्न जगहों पर मौजूद उनके स्लीपर सेल के खिलाफ कठोर अभियान चला रखा है। इसी तरह का ऑपरेशन कुछ समय पहले भी पूरे देश में चलाया गया था। अधिकारियों ने कहा कि मौजूदा छापेमारी के जरिए एनआईए टेरर फंडिंग और सीमा पार बैठे आतंक के आकाओं के हैंडलरों से कनेक्शन रखने वालों को बेनकाब करने की कोशिश में है।

जमशेदपुर में जमकर गोलीबारी, बाइक सवार बदमाशों ने युवक को मारी गोली

जमशेदपुर : ओलिडीह थाना क्षेत्र के डिमना चौक के पास देर रात अपराधियों ने बंटी कुमार नामक युवक पर गोली चला दी। गोली लगने से घायल युवक को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। अपराधी मौके से फरार हो गए। पुलिस घटना की जांच कर रही है, लेकिन फायरिंग का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। युवक के परिवार वाले अभी अस्पताल नहीं पहुंचे हैं। पिछले चार दिनों से शहर में अपराधिक घटनाओं की बाढ़ आई हुई है।ओलिडीह थाना क्षेत्र के लक्ष्मणनगर में यह घटना रात के करीब 12 बजे के आसपास हुई। अपराधियों ने अचानक बंटी कुमार पर हमला किया और गोली मारकर भाग गए। आसपास के लोगों ने घायल युवक को तुरंत एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया कि गोली युवक के शरीर में लगी है, जिससे उसकी हालत चिंताजनक है। इलाज जारी है, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अपराधी दो-तीन की संख्या में थे और वे बाइक पर सवार होकर आए थे।सूचना मिलते ही ओलिडीह थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई।

जम्मू- कश्मीरः सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़,

एक आतंकी ढेर, तीन जवान घायल

एजेंसी

श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर में कुलगाम जिले के गुद्दर वन क्षेत्र में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच सोमवार को मुठभेड़ हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की संयुक्त टीम ने गुद्दर वन क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षाबलों ने इस मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिराने में सफलता पाई है। मारा गया आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का बताया जा रहा है। सुरक्षाबलों ने क्षेत्र को घेर लिया है और आतंकियों की तलाश जारी है। मुठभेड़ के दौरान तीन जवान भी घायल हुए हैं। घायलों में एक सेना का अधिकारी भी शामिल है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, जैसे ही सुरक्षाबल संदिग्ध स्थान पर पहुंचे, आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद सुरक्षाबलों के जवानों ने जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलायीं। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी जारी है। कड़ी घेराबंदी सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त बलों को इलाके में भेजा गया है।

न्यूज IN ब्रीफ

झुरझुरी में भव्य भक्ति जागरण, जानकी प्रसाद यादव हुए शामिल

बरकट्ठा : श्री श्री माँ मनसा पूजा समिति, झुरझुरी द्वारा आयोजित भव्य भक्ति जागरण कार्यक्रम में अध्यक्ष राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष सह पूर्व विधायक बरकट्ठा जानकी प्रसाद यादव शामिल हुए। इस पावन अवसर पर, कमिटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और ग्रामीण जनता द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि मैं माँ मनसा देवी से झुरझुरी सहित पूरे बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र और समस्त झारखंड वासियों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना करता हूँ। जब मैं विधायक बना, तब यहाँ टेंट लगाकर कार्यक्रम होते थे। मैंने अपने कार्यकाल में विधायक निधि से इस विशाल रंगमंच का निर्माण करवाया, ताकि यहाँ के लोगों को एक बेहतर सुविधा मिल सके। मुझे गर्व है कि मैंने अपने क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा काम किया। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि बरकट्ठा विधानसभा में सबसे ज्यादा विकास मैंने ही किया है। चुनाव में जीत- हार भले ही हो जाए, लेकिन विकास के प्रति मेरी प्रतिबद्धता हमेशा कायम रहेगी। ऐतिहासिक विकास कार्यो की चर्चा लगातार चौक- चौराहें पर होता रहता है।

आखड़ांय करम महोत्सव संपन्न

मुरी: मुरी टूंगरी के समीप मुरी करमा पूजा समिति के तत्वावधान में आखड़ांय करम महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो उपस्थित हुए। करमा महोत्सव की का शुभारंभ अखरा में पारंपरिक नृत्य और गीत के साथ किया गया। कार्यक्रम को संबंधित करते हुए सुदेश कुमार महतो ने कहा कि करमा पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि प्रकृति संरक्षण का संदेश भी देता है।आस्था से ओत-प्रोत इस पर्व में यह कामना की जाती है कि संसार में खुशहाली आए, कृषि उत्पादन अच्छा हो और मानव-प्रकृति का रिश्ता सुदृढ़ बना रहे। यही वजह है कि झारखंड के ग्रामीण और शहरी दोनों ही इलाकों में करमा पर्व को उत्साह से मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम से पूर्व झारखंड मोड़ से मुरी टुंगरी कार्यक्रम स्थल तक शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में महिलाओं के भीड़ उमर पड़ी, जहां सभी मांदर की थाप एवं करमा के गीत में नृत्य करते हुए चल रहे थे। मंच का संचालन सुनील सिंह ने किया। इस मौके पर गूंज परिवार के संयोजक जयपाल सिंह, प्रमुख जितेंद्र बढ़ाइक उप प्रमुख आरती देवी, समाजसेवी श्याम सुंदर महतो

अंतरराष्ट्रीय लॉन बॉल खिलाड़ी दिनेश महतो, संजय महतो, सुशील महतो, शत्रुघ्न उर्फ चौधरी महतो, नंदकिशोर महतो, कल्याणी महतो, सबिता रानी , आरती देवी ,निलम देवी, सोनिया देवी, तुलसी महतो, बबीता महतो, कलानी महतो, रेखा देवी, पबीता देवी, रीना देवी, अष्टमी देवी, मामूनी देवी, विनीता देवी,लता महतो, नलिनी देवी, किरण देवी, नियति देवी समेत काफी संख्या मे ग्रामीण उपस्थित थे।

एके 47 की 393 चक्र गोली के साथ अंतर्राज्यीय अपराधी गिरफ्तार

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई में एके 47 हथियार की 393 चक्र गोली के साथ बिहार राज्य के गया जिला के एक अपराधी रौशन कुमार (18वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। चतरा एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने जिला मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि सूचना मिली थी कि हण्टरगंज थाना क्षेत्र के कोसमाही लेंजवा रोड़ में दो व्यक्ति मोटरसाईकिल से अवैध एके-47 अग्नेयास्त्र की गोली बिक्री करने हेतु बिहार से आ रहे हैं। उक्त सूचना का सत्यापन व आवश्यक कार्रवाई हेतू चतरा सदर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल के द्वारा कोसमाही लेंजवा रोड़ के पास एक मोटरसाईकिल जिसका रजि० नं0-बी आर 02 ए डब्ल्यू-4650 पर सवार दो व्यक्ति को पकड़ा गया। चेकिंग के दौरान उनके पास से अवैध 393 चक्र अङ-47 हथियार का गोली, मोबाईल एवं मोटरसाईकिल जब्त किया। इनमें से एक अभुयिक्त को गिरफ्तार किया गया एवं एक को निरूद्ध किया गया।इस संदर्भ में हण्टरगंज थाना काण्ड सं0-155/25 दि०-07।09।2025 धारा-25 (1-ए)/26/35 आर्म्स एक्ट काण्ड दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अपराधी रौशन कुमार पिता महेन्द्र पासवान ग्राम-कुठीलावा, थाना-लुटुआ, जिला-गया (बिहार) का रहनेवाला है।

मोकतमा पंचायत में मुखिया पार्वती देवी पर मनमानी का आरोप, जांच की मांग

चतराः जिले के सदर प्रखंड की मोकतमा पंचायत में मुखिया पर मनमानी और भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगा है। पंचायत के वार्ड सदस्य लैला खातून और रामसेवक गंझू ने मुखिया पार्वती देवी पर आरोप लगाया है कि वह उपमुखिया और अन्य वार्ड सदस्यों को बिना बताए ही योजनाओं का संचालन कर रही हैं। उपमुखिया रेणु देवी ने भी वार्ड सदस्यों के आरोपों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मुखिया उन्हें किसी भी बैठक या योजना की जानकारी नहीं देती हैं। उपमुखिया और वार्ड सदस्यों ने आरोप लगाया कि मनरेगा की योजनाओं में मजदूरों के बजाय धड़ल्ले से जेसीबी मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो कि नियमों का सीधा उल्लंघन है।जब वार्ड सदस्यों ने मुखिया से इस बारे में बात की, तो उनका जवाब था कि उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। दूसरी ओर, मुखिया पार्वती देवी ने इन सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि यह उन्हें बदनाम करने की राजनीतिक साजिश है। मुखिया ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके पंचायत में किसी भी योजना में जेसीबी मशीन का इस्तेमाल नहीं हुआ है। यह मामला अब आरोप-प्रत्यारोप में बदल गया है। दोनों पक्षों के अलग-अलग बयानों से यह स्पष्ट है कि यह मामला अब जांच का विषय बन गया है। जांच के बाद ही सच्चाई सामने आ पाएगी कि कौन दोषी है।

पुतला बनाकर करना पड़ा बेटे का अंतिम संस्कार

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के कटैया गांव से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। जहां एक पिता को अपने ही बेटे का अंतिम संस्कार पुतला बनाकर करना पड़ा।इस अंतिम यात्रा में पूरा गांव एकत्रित हुआ। परिजनों के चीख चीत्कार से पूरा गांव का माहौल गमगीन रहा। बताया जाता है कटैया निवासी मृतक रवि गुप्ता 30 वर्षीय अपने ससुराल घर से पटना ट्रेन से जा रहा था। इसी दौरान चलती ट्रेन के गेट के पास से वह बिहार के मसौढ़ी में गिर गया और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इधर मसौढी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के बाद 72 घंटे शव रखा लेकिन मृतक युवक की कोई भी पहचान पत्र नहीं मिलने के कारण पुलिस ने लावारिस समझकर शव को दाह संस्कार कर दिया।परिजन तीन दिनों से युवक की काफी खोजबीन कर रहे थे। लेकिन कही कुछ पता नहीं चल पा रहा था। युवक की मोबाइल ऑफ आ रहा था। परिजनों को अनहोनी की चिंता सता रही थी। मृतक के भाई संतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि शनिवार देर रात ससुराल वालों ने जानकारी दी कि आपके भाई का ट्रेन से गिरने से मौत हो गई।

रातू हत्याकांड का खुलासा : 12 घंटे के अंदर शूटर सहित छह गिरफ्तार

संवाददाता

रांची : रविवार देर शाम रांची के रातू थाना क्षेत्र में हुए हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। पुलिस ने 12 घंटे के भीतर दोनों शूटर को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उनके चार साजिशकर्ताओं को भी धर दबोचा है। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए रांची पुलिस ने कुल 6 अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

रवि साहू की हुई थी हत्याः 7 सितंबर की रात हजारीबाग के केरेडारी निवासी रवि कुमार नामक व्यक्ति की रातू थाना अंतर्गत झखरा टांड गांव में अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। वहीं, एक दूसरा व्यक्ति राजबल्लभ घायल हो गया था। डीआईजी सह एसएसपी रांची चदंन कुमार सिन्हा ने बताया कि इस मामले में हत्याकांड को अंजाम दिलाने में शामिल मुख्य साजिशकर्ता कुणाल कुमार, ग्राम -चकमे, थाना- बुड़मू और इसके साजिश में शामिल बबलू गोप, ग्राम बन गांव, लालमोहन कुमार, ग्राम- चकमे, दोनों थाना बुड़मू एवं घटना को अंजाम देने वाले तीन शूटर इमरोज अंसारी, ग्राम ढौठटोली, थाना मांडर- श्रीचन्द प्रजापति, ग्राम- चकमे, विजय महतो ग्राम मुरुपिरी दोनों थाना बुड़मू को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया गया है।

अपराधियों से पूछताछ जारीः 12 घंटे के अंदर हत्याकांड का खुलासा करने के बाद रांची पुलिस गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के बाद हत्या के पीछे की वजह भी सामने आ जाएगी।

क्या है पूरा मामलाः रविवार की देर शाम रांची के रातू इलाके में अपराधियो द्वारा फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया गया था ,अपराधियो द्वारा की गई गोलीबारी में रवि साहू की मौत हो गई थी ,जबकि दूसरा आदमी राजबलाभ गोली लगने की वजह से घायल हो गया था। स्थानीय लोगो ने बताया था कि रवि साहू सहित कुछ लोग बैठ कर शराब पी रहे । इसी दौरान बाइक सवार अपराधी मौके पर पहुचे और फायरिंग शुरू कर दी ,इस गोलीबारी में रवि की मौके पर ही मौत हो गई ,जबकि दूसरा घायल हो गया। गोलीबारी में बाद अपराधी मौके से फरार हो गए।

झामुमो कोडरमा की बैठक संपन्न

गुरुजी के सपनों को साकार करने का लिया प्रण

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : झारखंड मुक्ति मोर्चा कोडरमा जिला समिति की एक बैठक जयनगर प्रखंड के पेट्रोल पंप के बगल में गरचाचं में आयोजित की गई। बैठक के मंच की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडे ने तथा संचालन प्रखंड अध्यक्ष अशोक सिंह ने किया। बैठक में मुख्य रूप से संगठन के मजबूती पर चर्चा स्वर्गीय शिबू सोरेन के अंतिम जोहर यात्रा तथा बीएलओ नियुक्ति पर खास तौर पर चर्चा की गई । बैठक में मौजूद साथियों ने अपनी बातों को बारी-बारी से रखा तथा यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गुरुजी के विचारों को जोहर यात्रा के माध्यम से जिला समिति घर- घर तक पहुंचाने का काम करेगी । यह यात्रा नहीं बल्कि विचारधारा का उद्घोष होगा जिसका आयोजन पंचायत स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक तथा इसका समापन जिला में

किया जाएगा। बैठक में मौजूद सदस्यों ने बारी- बारी से अपने विचारों को रखा बैठक में मौजूद केंद्रीय समिति सदस्य बैजनाथ मेहता, संजय पाण्डेय, गंगा प्रसाद यादव, इस्लाम अंसारी, जिला सचिव पवन माइकल कुजूर, वीरेंद्र मिश्रा, मो। खलील, संदीप पांडे, बाजू दास, अब्दुल कुद्दुस, श्याम देव यादव युवा मोर्चा जिला सचिव छोटू यादव मो। सद्दाम, कामेश्वर भारती, चंद्रदेव यादव, उमेश यादव, विश्वनाथ राय, अशरफ अंसारी, अशोक सिंह इत्यादि सैकड़ो लोग बैठक में मौजूद थे जिन्होंने गुरुजी के आदर्शों पर चलने का संकल्प के साथ प्रण लिया। तथा अंतिम जोहर यात्रा को सफल बनाने में अपनी संपूर्ण भागीदारी का उद्घोष किया बैठक में सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज

कांग्रेस के पूर्व जिला महासचिव निशांत जायसवाल ने दावा ठोका

चतरा में राष्ट्रीय और राजकीय कमिटी की रायशुमारी कल

चतराः जिले में कांग्रेस जिला अध्यक्ष चुनाव को लेकर सांगठनिक सरगर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है। वर्तमान समय में प्रमोद दुबे पार्टी के जिलाध्यक्ष है। हालांकि इस बार के चुनाव में वर्तमान जिलाध्यक्ष समेत कई लोगों ने दावेदारी ठोकी है। परंतु सबसे अधिक चर्चा युवा प्रत्याशी निशांत जायसवाल की हो रही है। निशांत जायसवाल कांग्रेस के पुराने नेता के साथ साथ सुप्रसिद्ध व्यवसाई और समाजसेवी हैं। इसके अलावा चतरा जिला ओलंपिक संघ से मान्यता प्राप्त जिला वेटलिफ्टिंग संघ के कोषाध्यक्ष भी हैं। कांग्रेस में इनका सफर 2003 से शुरू हुआ।

इन्हें एनयूएसआई का प्रदेश सचिव के साथ साथ विनोवा भावे विश्वविद्यालय का प्रभारी बनाया गया। इन्होंने इन वर्षों में चतरा जिले के साथ साथ पूरे हजारीबाग में छात्रों के हित में कई उल्लेखनीय कार्य किए। इस दौरान एनएसयूआई काफी मजबूत हुई। कांग्रेस पार्टी ने इनके मेहनत को देखते हुए कांग्रेस का हजारीबाग जिला प्रभारी बनाया। इसके बाद 2007 से 2008 तक यूथ कांग्रेस का चतरा जिला अध्यक्ष रहे। 2009 से 2010 चतरा जिला कांग्रेस के जिला महासचिव और 2010 से 2014 तक जिला उपाध्यक्ष के पद पर कार्य किया। कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सह मनरेगा प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि जिला अध्यक्ष के चुनाव को लेकर 9 सितम्बर को रायशुमारी के लिए राष्ट्रीय और राजकीय नेता का जमावड़ा लगेगा। राष्ट्रीय नेता के रूप में महाराष्ट्र के सांसद श्याम कुमार,राजकीय नेता झरिया(धनबाद) की पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह और पर्यवेक्षक भीम कुमार और जोशाई माद्री आ रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की माने तो राष्ट्रीय नेतृत्व चाहता है कि झारखंड में नए सिरे से कांग्रेस को मजबूत किया जाए। इसके लिए युवाओं को आगे लाने की कवायद पर काम चल रहा है।

अब कोडरमा में निःशुल्क न्यूरो सुविधा हर सोमवार

कोडरमाः कोडरमा स्थित सदर अस्पताल में आयुष्मान भारत - मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत अब प्रत्येक सोमवार को विशेषज्ञ न्यूरोसर्जन से निःशुल्क परामर्श एवं योजना के अंतर्गत मुफ़्त ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध होगी। जिन मरीजों को न्यूरो से संबंधित परामर्श चाहिए, वे सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक ओपीडी में डॉ। डी। एम। प्रसाद (एम।सीएच। न्यूरोसर्जरी) से मिल सकते हैं। यहाँ मस्तिष्क, रीढ़ (स्पाइन) एवं नसों से संबंधित रोगों जैसे सिर दर्द, चक्कर आना, हाथ काँपना, ब्रेन ट्यूमर, मिर्गी, उल्टी, लकवा, स्पाइनल इंजरी, सिर में पानी भरना (हाइड्रोसेफेलस), गर्दन व पीठ दर्द, सिर में चोट, मस्तिष्क में खून का थक्का, सिर का आकार बढ़ना।, हाथ-पैर में झनझनाहट, स्पाइनल ट्यूमर और स्लीप डिस्क आदि का परामर्श एवं इलाज कराया जा सकता है।

सरकारी जमीन का अतिक्रमण हटाया गया

धनबाद : धैया रानी तालाब के बगल में सरकारी जमीन का अतिक्रमण हटाया गया। धनबाद सीओ और धनबाद थाने की टीम ने पहुंचकर सरकारी जमीन में लगी दुकानों को हटाया। वर्षों से यहां अतिक्रमण का खेल चल रहा है। यह जमीन सरकारी है लेकिन एक स्थानीय दबंग परिवार इसपर अपना दावा कर रहा है।

जेएलकेएम ने बंगाल में चुनावी जंग जितने की शुरू की तैयारी

सिल्ली : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने बंगाल में चुनावी जंग जीतने के लिए चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। इस सिलसिले में रविवार को चासमोड़ पुरुलिया में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मोर्चा के पश्चिम बंगाल चुनाव प्रभारी राजू महतो व निवेदिता महतो शामिल हुए। प्रभारी राजू महतो ने कहा कि विधानसभा चुनाव जितने के लिए सिर्फ एक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि जनता के बीच अपनी नीतियों, सिद्धांतों और विकास की प्रतिबद्धता को प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर है। अच्छे लोगों को राजनीति में आना होगा नहीं तो आने वाले समय में हमारे बच्चे फिर से

पूंजीपतियों की गुलाम बन जायेंगे। श्री महतो ने आगे कहा कि जिस तरह हमारे पार्टी सुप्रीमो जयराम महतो के अगुवाई में पूरा झारखण्ड में हड़कंप मचा है उसी प्रकार बृहद झारखण्ड में आने वाले पश्चिम बंगाल का छोटागपुर में भी अन्य राजनीतिक दलों में हडकंप मचाना है। बहुत जल्द बंगाल में चुनाव जितने के लिए खास रणनीति बनायी जाएगी। बैठक में बड़ी संख्या में युवाओं ने जेएलकेएम का दामन थामा, सभी को प्रभारियों ने माला पहनाकर स्वागत किया। वही सर्वसम्मति से अश्विनी महतो व चीकू महतो को युवा कमिटी का सभापति एंव ब्लॉक से एक एक सदस्य को विशेष प्रभार दिया गया।

13 लाख के आभूषण चोरी को लेकर मुरी ओपी थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

मुरीः सिल्ली के राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव के नेतृत्व में 13 लाख आभूषण की चोरी को लेकर मुरी ओपी थाना एसआई मानिक भूषण पासवान को एक ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में सिंगपुर निवासी लाल हेमेंद्र प्रताप सिंह के घर से चोरी घटना की त्वरित कार्रवाई की मांग की। ज्ञात हो कि मुरी ओपी थाना क्षेत्र के सिंगपुर निवासी लाल हेमेंद्र प्रताप सिंह के घर से बिते 23 सितंबर की रात को लगभग 13 लाख 45 हजार रुपए के सोने के आभूषण की चोरी हो गई ।इसको लेकर लाल हेमेंद्र प्रताप सिंह की पुत्री काजल सिंह ने 24 अगस्त को थाने में एफआईआर दर्ज कराई।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर सदर अस्पताल प्रबंधन की बैठक

मरीजों को हर हाल में सुविधा उपलब्ध कराई जाये : डीसी

संवाददाता

कोडरमा : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में अस्पताल प्रबंधन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सदर अस्पताल समेत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु कई अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ऋतुराज ने निर्देश दिया कि सभी चिकित्सकों की माहवार रिपोर्ट एवं डाटा उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही चिकित्सकों की रिपोर्टिंग समय का विवरण भी प्रस्तुत करने को कहा गया। सदर अस्पताल से रेफर किए जाने वाले मरीजों की सूची तैयार कर नियमित रूप से अद्यतन करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों का सत्यापन किया जाएगा। साथ ही इमरजेंसी में नाइट शिफ्ट के दौरान भी नियमित चिकित्सकों एवं कर्मियों की ड्यूटी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। भुगतान से संबंधित सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का आदेश भी दिया गया। उपायुक्त ने अस्पतालों में मरीजों की संख्या के अनुसार बेड की व्यवस्था को अद्यतन करने, टीवी मरीजों के लिए वार्ड एवं कमरे चिन्हित करने, नाइट शिफ्ट में साफ-सफाई की नियमित निगरानी रखने तथा तीनों पालियों में प्लंबर और इलेक्ट्रिशियन की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अस्पताल वार्डों में किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान हेतु

एक मानक फॉर्मेट में सूची तैयार की जाएगी। बच्चों के जन्म और जन्म प्रमाण पत्र से संबंधित जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने कहा कि सभी केंद्रों पर बेबी किट और डिलीवरी किट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त, अस्पताल परिसर में पान मसाला एवं धूम्रपान जैसे प्रतिबंधित गतिविधियों पर रोक लगाते हुए उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के प्रभावी संचालन हेतु एक नोडल पदाधिकारी की नियुक्ति करने और इमरजेंसी एरिया को विस्तारित करने के लिए आवश्यक कार्य करने के आदेश भी दिए गए। मरीजों से मिलने के लिए परिजनों के लिए समय निर्धारण, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु कर्मियों को प्रशिक्षण देने, सभी कर्मियों की रोस्टरवार ड्यूटी लगाने और उनकी बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने का निर्देश दिया गया। एसएनसीयू में महिला चिकित्सक और प्रशिक्षित कर्मी की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रत्येक सेक्शन में स्पष्ट रूप से ड्यूटी लगाने का निर्देश भी दिया गया। इस बैठक में सिविल सर्जन डॉ। अनिल कुमार, उपाधीक्षक डॉ। रंजीत कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अनेक चिकित्सक एवं कर्मी उपस्थित रहे।

आज से 35 हजार स्कूलों में अभिभावक-शिक्षकों की मीटिंग, सांसद-विधायक होंगे शामिल

संवाददाता

रांचीः झारखंड के 35 हलार स्कूलों में 8 सितंबर से लेकर 13 सितंबर तक अभिभावक-शिक्षक मीटिंग होगी। इसमें क्षेत्र के सांसद-विधायक समेत जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी रहेंगे। इस संबंध में मुख्य सचिव ने सभी उपायुक्तों को पत्र भेज कर इस आयोजन को सफलतापूर्वक संचालित करने को कहा है। पीटीएम में छात्रों को नियमित उपस्थिति, बच्चों की उपलब्धि, पेरेंटिंग, परीक्षाफल, स्वच्छता आदि पर अभिभावकों से चर्चा होगी। शिक्षा विभाग को उम्मीद है कि इस प्रयास से राज्य में शैक्षिक वातावरण विकसित होगा। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को माता-पिता एवं अभिभावक का समय-समय पर विद्यालयों में चल रहे बेहतर प्रयासों को जानने व बच्चों की शिक्षण क्षमता के स्तर के विषय पर

शिक्षक से चर्चा करने की महत्पपूर्ण जिम्मेवारी को समझते हुए स्कूलों में त्रैमासिक अभिभावक शिक्षक

निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 और समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत 6-18 आयु वर्ग के सभी बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराना और उनकी 12वीं तक की शिक्षा पूर्ण कराना राज्य की प्राथमिकता है। इसके लिए विद्यालयों में माता-पिता और अभिभावकों की सक्रिय रूप से भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह भी आवश्यक है कि स्थानीय समुदाय और विद्यालय के बीच निरंतर वार्ता हो और सभी मिलकर बेहतर विद्यालय संचालन में अपना योगदान दें। इस उद्देश्य से स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से यह पहल की गई है। आठ सितंबर से 13 सितंबर तक राज्य के 35000 सरकारी विद्यालयों में द्वितीय वार्षिक शिक्षक अभिभावक बैठक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राज्य में सितंबर के बाद तीसरी वार्षिक अभिभावक शिक्षक बैठक आठ से 16 दिसंबर के बीच आयोजित की जाएगी।

श्री दुर्गा पूजा समिति, भुताहा तालाब का 99वां वर्ष , होगा भव्य आयोजन

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची का प्रख्यात श्री दुर्गा पूजा समिति, भुताहा तालाब स्थापित 1926 से पूजा करते आ रही है। इस वर्ष अपने 99वें वर्ष के अवसर पर भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन करने जा रहा है। समिति ने इस बार विशेष आकर्षण के रूप में काल्पनिक मंदिर के प्रारूप पर आधारित भव्य पंडाल निर्माण कराने का निर्णय लिया है। समिति के अनुसार, पंडाल की ऊँचाई 35 फीट, लंबाई 35 फीट और चौड़ाई 40 फीट होगी, जिसमें 16 फीट ऊँची माता दुर्गा की दिव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। प्रतिमा का निर्माण विख्यात मूर्तिकार श्री रामपाल जी द्वारा किया जा रहा है। प्रतिमा लगभग 2.5 लाख की है। प्रतिमा में श्री गणेश, कार्तिकेय, माता महालक्ष्मी और महासरस्वती भी विराजमान होंगी।

पंडाल व प्रतिमा निर्माण का

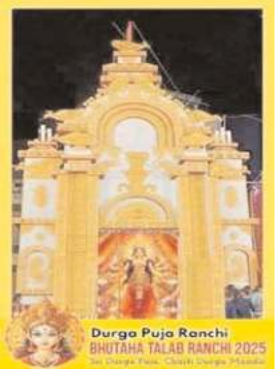

कार्य पश्चिम बंगाल के कलाकार प्रदीप बंगाली तथा मातादीन टेंट हाउस के कारीगरों की देखरेख में किया जा रहा है। पूरे परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा, तोरणद्वार, लाइटिंग और साउंड सिस्टम से सजाया जाएगा। आयोजन पर लगभग आठ लाख से नो लाख का खर्च अनुमानित है।

पांच दिवसीय भव्य भंडारा

आयोजक संजय सिंह (लल्लू सिंह) ने बताया कि सप्तमी को नव प्रतिका प्रवेश के बाद श्रद्धालुओं के लिए पट खोल दिया जाएगा। सप्तमी, अष्टमी, नवमी, दशमी एवं विसर्जन के दिन समिति द्वारा पांच दिवसीय भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। भंडारे में पूरी, सब्जी, हलवा, खिचड़ी, चिप्स, चोखा, अचार आदि का प्रसाद श्रद्धालुओं को मिलेगा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामः समिति के प्रवक्ता नमन भारतीय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड और वॉलिंटियर्स की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस बार का आयोजन और भी अधिक भव्य एवं ऐतिहासिक होगा, जिसे देखने के लिए दूर-दराज से श्रद्धालु भुताहा तालाब पहुँचते हैं।समिति का उद्देश्य सिर्फ पूजा आयोजन नहीं बल्कि श्रद्धालुओं को भक्ति और आनंद से भर देना है और साथ ही भुताहा तालाब का दुर्गा पूजा रांची ही नहीं, बल्कि पुरे झारखंड में अपनी भव्यता के लिए जाना जाता है।

खेलो इंडिया अस्मिता वुशु लीग का सफल आयोजन संपन्न

संवाददाता

जमशेदपुरःमहिला खिलाड़ियों में खेलों के प्रति जागरूकता और प्रोत्साहन के उद्देश्य से खेलो इंडिया अस्मिता सिटी लीग के अंतर्गत वुशु प्रतियोगिता का आयोजन जमशेदपुर के गोविंद विद्यालय में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों के साथ ईस्ट सिंहभूम जिला वुशु संघ के पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा। आयोजन का उद्देश्यः अस्मिता लीग का मुख्य उद्देश्य देशभर की महिला खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करना, उनमें आत्मविश्वास का संचार करना तथा खेलों में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से बालिकाओं और युवतियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने की ठोस पहल की जा रही है।

अस्मिता लीग की पृष्ठभूमि

खेलो इंडिया अस्मिता लीग की शुरूआत युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा की गई है। इस लीग का आयोजन देशभर में अलग-अलग शहरों में किया जा रहा है। वुशु के अलावा इसमें अन्य खेलों की प्रतियोगिताएँ भी शामिल हैं, जिनका मकसद महिला खिलाड़ियों को समान अवसर देना और उन्हें पेशेवर खेल संरचना से जोड़ना है। यह पहल महिलाओं को खेलों में सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि

उद्घाटन समारोह में जमशेदपुर के समाजसेवी विकास सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग खिलाड़ी अरुणा मिश्रा तथा युथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, झारखण्ड राज्य शाखा के सचिव मनोज भोमिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

श्री राधा- कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं के बीच अन्नपूर्णा महाप्रसाद का वितरण

मेट्रो रेज

रांचीः श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में 226 वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। आज का महाप्रसाद श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा 101 किलो दूध का केसरिया खीर का महाप्रसाद श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग सुबह 10 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित दो हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। आज के महाप्रसाद में केसरिया खीर, आलू चिप्स का पैकेट का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन जागरण के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायक

मनीष सोनी ने कृष्ण दरबार में मनमोहक भजनों से भक्तों को अमृत गंगा का रसपान कराते हुए खूब झुमाया। तथा श्री राधा कृष्ण के जयकारा एवं भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया तथा भक्तगण भक्ति रस में डूब गए। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई?। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि चंद्र ग्रहण सूतक के कारण अपराह्न- 12:50 बजे पूरा मंदिर का पट दिन- भर के लिए बंद कर दिया गया था। तथा मंदिर का पट 8 सितंबर को प्रातः 5:30 बजे खुलेगा। श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर मे आज अन्नपूर्णा महाप्रसाद आज सुबह से ही श्रद्धालुओं का भीड़ लगा रहा। तथा भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर मे हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इस अवसर पर- विजय अग्रवाल, निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल,मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ,नन्द किशोर चौधरी, विशाल जालान, सुनील पोद्दार,मधुसूदन जाजोदिया, संजय सर्राफ, बिष्णु सोनी, सुरेश अग्रवाल, सुरेश चौधरी, पवन पोद्दार, सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष उपस्थित थे।

सुबोधकांत सहाय ने बाबा बैथनाथ धाम में की पूजा-अर्चना

रांची: पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने सोमवार को देवघर (बाबाधाम)स्थित विश्वविख्यात बाबा बैथनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की।

उन्होंने भगवान भोले शंकर से देश,राज्य व सर्व समाज के कल्याण और खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर श्री सहाय ने कहा कि धार्मिक अनुष्ठानों व देवी - देवताओं की पूजा-अर्चना से मन-मस्तिष्क में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है,जिससे हमें जीवन में कुछ बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने समस्त मानव समुदाय के कल्याण हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

कराटे डू एसोसिएशन ऑफ झारखंड की बैठक में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय

संवाददाता

जमशेदपुर : कराटे डू एसोसिएशन ऑफ झारखंड (कैज) की आवश्यक बैठक एसोसिएशन के अध्यक्ष सेंसेई नन्दजी प्रसाद की अध्यक्षता में स्थानीय जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जमशेदपुर में हुई। जिसमें विभिन्न जिलों के कराटे प्रशिक्षक एवं कैज पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। जिसमें निर्णय लिया गया कि राज्यस्तरीय प्रतियोगिता से पहले सभी जिला अपने जिला स्तरीय प्रतियोगिता करवा ले। इस संदर्भ में रामगढ़ जिला कराटे डू एसोसिएशन,वेस्ट सिंहभूम जिला कराटे डू एसोसिएशन एवं खूंटी जिला कराटे डू एसोसिएशन ने 12 अक्टूबर 2025 को जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया। सरायकेला खरसावां जिला ने 19 अक्टूबर को आयोजित करने का निर्णय लिया वहीं बोकारो जिला कराटे डू एसोसिएशन 21 अक्टूबर 2025 को जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित करेगा।बैठक में पूरे झारखंड में कराटे खेल की उपलब्धि करवाने और नए नए खिलाड़ियों को निखारने कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखण्ड को अधिक से अधिक पदक दिलाने के लिए जिला में प्रभारी बनाए गए जिसमें सेंसेई बिमल नाग एवं महादेव गोप बोकारो,धनबाद, गिरिडीह,हजारीबाग, सेंसेई राहुल गोप लातेहार, चतरा,पलामू जामताड़ा,रेंसी कमल किशोर कच्छप पूर्वी सिंहभूम, रेंसी गुलाम जावेद लोहरदगा, रेसी बेनेट मालिंगस रामगढ़, सेंसेई लालचंद लोहार सिमडेगा, रेसी इबरार अंसारी गुमला, सेंसेई राजेश मोहंती एवं संगीता दास सरायकेला खरसावां ,सेंसेई गुमान गाड़ी खूंटी, सेंसेई राकेश एक्का हजारीबाग, सेंसेई राहुल गोप एवं बिमल नाग पश्चिमी सिंहभूम , सेंसेई नन्दजी प्रसाद रांची,राकेश एक्का गढ़वा जिला में प्रभारी सह तकनीकी निर्देशक बनाए गए।

ठेला-खोमचा दुकानदारों ने किया निगम कार्यालय का घेराव, 300 से अधिक लोगों ने जताया विरोध

रांची : रांची निगम द्वारा सड़कों के किनारे से हटाए गए ठेला-खोमचा को लेकर दुकानदारों ने आज निगम कार्यालय का घेराव किया। इन दुकानदारों ने निगम की कार्रवाई का विरोध करते हुए अपनी रोजी-रोटी का जरिया छिन जाने पर नाराजगी व्यक्त की। इनकी संख्या लगभाग 300 से अधिक बताई जा रही हैं। घेराव की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों को शांत करवाने और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही हैं।

40वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा रन फॉर विजन 2025

नेत्रदान जागरूकता अभियान बहुत जरूरीः भारती कश्यप

वित्त मंत्री ने नेत्रदान शपथ पत्र भर के जनता को दिया नेत्रदान का संदेश

- मृत्युपरांत नेत्रदान करने वाले 30 परिवारों को वित्तमंत्री ने किया सम्मानित
- नेत्रदान जागरूकता के लिए ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन में युवाओं ने दौड़ लगाई
- लगातार 23 सालों से हो रहा रन फॉर विजन एवं 7 वर्षो से ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन का आयोजन
- कश्यप मेमोरियल आई बैंक में अब तक करीब 1015 कॉर्निया ट्रांसप्लांट
- पिछले 5 सालों में 490 नेत्र प्रत्यारोपण

मेट्रो रेज

रांची : 40वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा में ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन का भव्य आयोजन आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब एवं कश्यप मेमोरियल आई बैंक के संयुक्त तत्वावधान में संत जेवियर्स कॉलेज परिसर, रांची में किया गया। मुख्या अतिथि वित्तमंत्री राधाकृषण किशोर ने दौड़ को रंग बिरंगे बैलूनों को आसमान में उड़ाते हुए रवाना किया। इस दौड़ में संत जेवियर्स कॉलेज एवं उसुर्लाइन इंटर कॉलेज रांची, ठरर के सैकड़ो युवाओ एवं शहर के कई गणमान्य लोगों ने लिया भाग। ब्लाइंड फोल्डेड रन के बाद नेत्रदान जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें वित्तमंत्री , आईएमए रांची एवं झारखंड, झारखण्ड स्टेट सर्विस एसोसिएशन, एफजेसीसीआई, सेंट जेवियर्स कॉलेज रांची एवं उसुर्लाइन इंटर कॉलेज रांची के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब के अध्यक्ष अनुज सिन्हा द्वारा प्रस्तुत किया गया। पिछले 7 वर्षों से रन फॉर विजन का रन की थीम ब्लाइंड फोल्ड रखी जा रही है। इस आयोजन का मुख्य उदेश्य लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक करना था। रन फॉर विजन के विजेताओं को आई-डेक प्रेजिडेंट अनुज सिन्हा, रजिस्ट्रार संत जेवियर्स कॉलेज डॉ. फादर प्रभात केनेडी सोरेंग, डॉ. प्रोफेसर अनिर्बन गुप्ता, आईएमए. झारखण्ड के सचिव डॉ. प्रदीप सिंह, आईएमए. रांची के अध्यक्ष डॉ. शेखर चौधरी, झारखण्ड स्टेट सर्विस एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. बिमलेश सिंह, एफजेसीसीआई. रांची के अध्यक्ष परेश गट्टानी, पदमश्री मुकुंद नायक एवं कश्यप मेमोरियल आई

हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉबीपी. कश्यप द्वारा सम्मानित किया गया। नेत्रदान जागरुकता को बढ़ावा देने के लिए आईएमए रांची एवं झारखंड, झारखण्ड स्टेट सर्विस एसोसिएशन, एफजेसीसीआई, सेंट जेवियर्स कॉलेज रांची एवं उसुर्लाइन इंटर कॉलेज रांची के पदाधिकारीयों को सम्मानित किया गया।

डॉ. भारती कश्यप, मेडिकल डायरेक्टर, कश्यप मेमोरियल आई बैंक ने बताया कि आज यहां कश्यप मेमोरियल आई बैंक और आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में हम लोग लगातार सातवीं बार ब्लाइंडफोल्डेड रन फॉर विजन का आयोजन कर रहे हैं। यह 23वां रन फॉर विजन है। यह अपने आप में यूनिक है, अनूठा है। इस तरह का आयोजन देश में किसी भी नेत्रदान जागरूकता से एसोसिएटेड संस्था के द्वारा नहीं किया गया है।

इस लिए भी राज्य के बड़े ट्राइबल लीडर्स जैसे शिबू सोरेन, अर्जुन मुंडा, बाबूलाल मरांडी, द्रौपदी मुर्मू ने रन फॉर विजन में न केवल भाग लिया है बल्कि शपथ पत्र भर के स्थानीय लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित भी किया है। अब तक हम लोगों ने 1015 नेत्र प्रत्यारोपण किए हैं और पिछले 5 वर्ष में अब तक कुल 490 नेत्र प्रत्यारोपण किए हैं। जिसमें सरकार को इस पर मानव संसाधन और इंफ्रास्ट्रक्चर पर कोई भी खर्च नहीं उठाना पड़ा है।

मुझे इस बात की खुशी है कि झारखंड बिहार का नेत्र प्रत्यारोपण की शुरूआत का श्रेय हमें प्राप्त है और आज भी झारखंड का सबसे ज्यादा नेत्र प्रत्यारोपण हमारी संस्था द्वारा किया जाता है।

नेत्रदान जागरूकता अभियान बहुत ही जरूरी है क्योंकि हमारे देश में प्रति वर्ष एक करोड़ लोगों की मृत्यु होती है, लेकिन मृत्यु उपरान्त मात्र 50000 कॉर्निया ही हमें मिलते हैं। हमारे देश में 2.5 लाख लोगों को कॉर्निया की जरूरत है और मृत्यु उपरान्त मिले हुए 50000 कनिया में सिर्फ 30000 कार्निया का ही प्रत्यारोपण हो पाता है। सप्लाई वर्सेस डिमांड के बीच का जो गैप है, इसका मुख्य कारण है हमारे समाज में नेत्रदान से जुड़ी गलत अवधारणाएं हैं जो कि बिल्कुल ही निराधार है। हमारे यहां जो कॉर्नियल ब्लाइंडनेस है, इसको कम करने के लिए और आई डोनेशन को बढ़ाने के लिए एक मैटिकुलस सिस्टम और रिसोर्सेज की जरूरत है।

कार्यक्रम के अंत में कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. बिभूति कश्यप ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और उन्होंने कर्यक्रम में मौजूद सभी गणमान्य व्यक्तियों, नेत्रदान करने वाले लोगों के परिजनों एवं कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्वाद कहा।

इस अभियान से जुड़कर नेत्रदान करनेवाले निम्नांकित परिवारों को वित्तमंत्री राधाकृषण किशोर द्वारा सम्मानित किया गयाः-

एसएल दाता

1 सत्यनारायण अग्रवाल
2 गोपाल राम अग्रवाल
3 पुखराज रामपुरिया
4 उषा परसरामपुरिया
5 नंदलाल राठौड़
6 मीरा बुधिया
7 गीता देवी
8राधे श्याम केजरीवाल
9 शांति देवी मानसिंका
10 दिलीप कुमार बुधिया
11 आनंद राम भगत
12 रीता देवी
13 प्रेमा धनुका
14 गीताश्री मलिक
15 गीताश्री बजाज
16सावित्री देवी टांटिया
17 उमा मेहरा
18 गौरी देवी राठौड़
19 कैलाश प्रसाद चौधरी
20 कमला देवी
21 सुदीप कुमार कर्म
22 बाल मुकुंद गुप्ता
23 चनिया देवी
24 लक्ष्मी देवी परसुरामपरिया
25 जमुना देवी खेतान
26 बिमल जैन
27 योगेन्द्र नारायण सिन्हा
28 इंदु अग्रवाल
29 संतोष कुमार अग्रवाल
30 मीरा प्रतापसिंह रायपत

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

रील्स की दुनिया और गुम होते सामाजिक आदर्श

भारत की सामाजिक चेतना कभी गांधी, नेहरू, भगत सिंह, अंबेडकर और सुभाष जैसे महापुरुषों की कहानियों से गढ़ी जाती थी। आज वही जगह सोशल मीडिया के ह्ववायरल सितारोंह्व ने ले ली है। लाखों फॉलोअर्स और लाइक्स वाले ब्लॉगर और रील-निमार्ता युवाओं के नए रोल मॉडल बन बैठे हैं। मनोरंजन के नाम पर यह संस्कृति असली आदर्शों को धुंधला कर रही है। सवाल यही है कि क्या हमारी अगली पीढ़ी त्याग और संघर्ष की विरासत को याद रखेगी या सिर्फ. ट्रेंडिंग वीडियो तक सीमित रह जाएगी? कभी इस देश की आत्मा अपने महापुरुषों के विचारों और संघर्षों में बसती थी। हमारे आदर्श थे महात्मा गांधी, जिन्होंने सत्य और अहिंसा से साम्राज्य को हिला दिया। भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद, जिन्होंने प्राणों की आहुति देकर युवाओं को साहस और बलिदान का संदेश दिया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, जिनकी गूंज आज भी ₹तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा₹ में सुनाई देती है। डॉ. भीमराव अंबेडकर, जिन्होंने आधुनिक भारत के संविधान की नींव रखी। चौधरी छोटूराम, जिन्होंने किसानों और मजदूरों की आवाज बुलंद की और समाज में न्याय की लड़ाई लड़ी। यह वे लोग थे जो संघर्ष, त्याग और विचारशीलता के प्रतीक बने। गाँव की चौपाल से लेकर शहर की बैठकों तक, हर सभा और हर संस्थान में इन्हीं महापुरुषों की तस्वीरें लगती थीं। बच्चे इन्हीं के किस्से सुनकर बड़े होते थे। समाज में जो भी व्यक्ति आगे बढ़ना चाहता, वह इन आदर्शों से प्रेरणा लेता। त्याग, अनुशासन, साहस और समाजसेवा रोल मॉडल की परिभाषा हुआ करती थी। रोल मॉडल होना मतलब था दूसरों को प्रेरित करना, समाज को दिशा देना और भविष्य की पीढ़ी को ऊँचाइयों तक पहुँचाना। समय बदल गया। तकनीक और सोशल मीडिया ने पूरी तस्वीर उलट दी। अब रोल मॉडल का अर्थ समाज में गहरी छाप छोड़ने वाला महापुरुष नहीं, बल्कि वह व्यक्ति हो गया है जो कैमरे पर सबसे ज्यादा शोर मचाए, जो सबसे अजीब हरकतें करे और जिसकी वीडियो सबसे ज्यादा ₹वायरल₹ हो जाए। आज जिनके नाम युवा जुबान पर हैं, वे न तो किसी आंदोलन के नायक हैं और न ही किसी बड़े विचारधारा के संवाहक। वे हैं ₹गंवार फैमिली ब्लॉगर₹, ₹टिंकू सूटों आली₹, ₹ढिमाकाणा सिंह कूल्हे मटकाण आला₹ जैसे किरदार, जो केवल हंसी-मजाक, तड़क-भड़क या दिखावे के दम पर मशहूर हो गए। विडंबना यह है कि लोग इन्हें देखकर अपना समय, ऊर्जा और कभी-कभी अपनी सोच भी खर्च कर देते हैं। गाँव-गाँव और गली-गली में आज बच्चे और युवा इन्हीं यूट्यूब चैनलों, टिकटॉक-स्टाइल रीलों और इंस्टाग्राम लाइव वालों को अपने आदर्श मानने लगे हैं। जहाँ पहले बच्चे कहते थे कि वे बड़े होकर भगत सिंह या अंबेडकर जैसे बनना चाहते हैं, वहीं अब बहुत से बच्चे कहते मिलेंगे कि वे ₹यूट्यूबर₹, ₹ब्लॉगर₹ या ₹इंफ्लुएंसर₹ बनना चाहते हैं। सोशल मीडिया का यह चलन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। यह धीरे-धीरे हमारे समाज की सोच और संस्कारों को प्रभावित कर रहा है। जब कोई महिला सिर्फ. ध्यान खींचने के लिए अपने निजी रिश्तों को पब्लिक प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित करती है, जब पति-पत्नी की नोंकझोंक मनोरंजन बन जाती है, जब ₹लुगाई लुगाई को अपणा खसम बताण लागी₹ जैसी बातें ट्रेंड करने लगती हैं, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा मनोरंजन और मजाक के नाम पर गंभीर मूल्यों से दूर होता जा रहा है। यह बदलाव खतरनाक इसलिए है क्योंकि समाज वही बनता है जैसा वह अपने आदर्श चुनता है। अगर रोल मॉडल ऐसे लोग होंगे जो सिर्फ. ताली और व्यूज के लिए अजीबोगरीब हरकतें करते हैं, तो आने वाली पीढ़ी त्याग और संघर्ष की जगह केवल सस्ते लोकप्रियता के रास्ते तलाशेगी। असली मेहनत, पढ़ाई, चिंतन और सामाजिक योगदान हाशिए पर चला जाएगा। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि इस ट्रेंड का एक आर्थिक पहलू भी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने लोकप्रियता को सीधा पैसे से जोड़ दिया है। जिसके वीडियो ज्यादा चलेंगे, वह कमाई भी ज्यादा करेगा। इस कारण लाखों युवा बिना सोचे-समझे इसी राह पर दौड़ पड़े हैं। वे समझते हैं कि समाज की सेवा करने से ज्यादा फायदेमंद है एक मजाकिया वीडियो बनाना। यही कारण है कि महापुरुषों की जीवनी पढ़ने वाले युवाओं की संख्या घटती जा रही है, जबकि ₹कंटेंट क्रिएटर₹ बनने वाले युवाओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। लेकिन क्या यह स्थिति स्थायी है? क्या सचमुच समाज आदर्शों से इतनी जल्दी विमुख हो जाएगा? इसका उत्तर इतना सरल नहीं है। इतिहास गवाह है कि हर समाज में एक समय ऐसा आता है जब मूल्य खोखले लगने लगते हैं और दिखावा ज्यादा प्रभावी हो जाता है। अंततः वही समाज आगे बढ़ता है जो अपने सच्चे आदर्शों को याद रखता है। भारत जैसे देश में, जिसकी आत्मा स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक न्याय की लड़ाई से गढ़ी गई है, वहाँ के लोग सदा के लिए महापुरुषों को भूल नहीं सकते। जरूरत है एक संतुलन बनाने की। मनोरंजन और तकनीक जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन इन्हें आदर्श नहीं बनाया जा सकता। रोल मॉडल वही हो सकते हैं जो समाज को आगे ले जाएँ, जो इंसानों में विश्वास और प्रेरणा जगाएँ, जो भविष्य की पीढ़ी को त्याग, साहस और सेवा का रास्ता दिखाएँ। आज भी ऐसे लोग हमारे बीच मौजूद हैं- वैज्ञानिक, शिक्षक, किसान, सैनिक, डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता- जो चुपचाप अपनी मेहनत और ईमानदारी से देश को आगे बढ़ा रहे हैं। समाज को चाहिए कि वह इनकी कहानियों को बच्चों और युवाओं तक पहुँचाए। मीडिया और शिक्षा जगत की भी जिम्मेदारी है कि वे केवल सस्ते मनोरंजन को मंच न दें, बल्कि असली नायकों की गाथाएँ उजागर करें। स्कूलों और कॉलेजों में महापुरुषों की जीवनी को फिर से पढ़ाया जाए, स्थानीय स्तर पर समाज सेवियों और कर्मठ लोगों को सामने लाया जाए। तभी हम उस खोए हुए संतुलन को वापस पा सकेंगे जहाँ मनोरंजन अपने स्थान पर रहे और आदर्श अपने स्थान पर। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं और अपने पूर्वजों की विरासत को याद करते हैं, तो साफ दिखता है कि हमें जिन महापुरुषों ने यह देश और समाज दिया, वे किसी रील, किसी ट्रेंड और किसी तात्कालिक लोकप्रियता का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने कठिन रास्ता चुना, संघर्ष किया और अपने जीवन को समाज और राष्ट्र के नाम कर दिया। उनकी तुलना में आज के ₹ट्रेंडिंग सितारे₹ बहुत हल्के और अस्थायी हैं। समाज को यह समझना होगा कि रोल मॉडल केवल वे नहीं होते जिनके लाखों फॉलोअर्स हों, बल्कि वे होते हैं जो अपने जीवन से, अपने विचारों से और अपने संघर्ष से दूसरों को सही दिशा दिखाते हैं। अगर हम इसे समझ पाएँ, तो शायद फिर से हमारी अगली पीढ़ी भगत सिंह, अंबेडकर और छोटूराम जैसे आदर्शों को अपना मार्गदर्शक बनाएगी, न कि ₹कूल्हे मटकाण₹ वाले किसी ब्लॉगर को।

पेड़ों के अवैध कटान से बड़े खतरे की तरफ बढ़ते हम

> रिपोर्ट में अनुमान किया गया था कि सन 2050 तक भारत की जीडीपी 28 प्रतिशत तक घट सकती है। अन्य तमाम संस्थाओं ने भी जलवायु परिवर्तन से भारत को खतरा बताया है। भारतीय ज्ञान परंपरा में वृक्ष और वनस्पतियां पृथ्वी परिवार के अंग हैं। हम उन पर आश्रित हैं। पेड़ पौधों में भी जीवन होता है। हमारे और वृक्ष वनस्पतियों के बीच परस्परावलंबन है। वे सभी ऋतु चक्र को प्रभावित करते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने पेड़ों की अवैध कटान पर तीखी टिप्पणी की है। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने कहा कि, ह्वप्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि पेड़ों की अवैध कटान हुई हैह्व कोर्ट ने केन्द्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब राज्यों से तीन हफ्तों में जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा है कि, ह्वपहाड़ी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध कटाई दिखाई पड़ती हैह्व कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि, ह्ववह इसकी जांच करें।

हृदयनारायण दीक्षित

इसके लिए जो कुछ भी जरूरी हो, किया जाना चाहिए।ह्व पेड़ कटानों का परिणाम देश के लिए घातक होता है। वृक्षों से वर्षा होती है। कटान से ऋतु चक्र गड़बड़ाता है। विश्व बैंक की ह्वदक्षिण एशियाई हॉटस्पॉट-तापमान के प्रभाव और जीवन स्तर का परिवर्तनह्व शीर्षक से रिपोर्ट आई थी। रिपोर्ट में अनुमान किया गया था कि सन 2050 तक भारत की जीडीपी 28 प्रतिशत तक घट सकती है। अन्य तमाम संस्थाओं ने भी जलवायु परिवर्तन से भारत को खतरा बताया है। भारतीय ज्ञान परंपरा में वृक्ष और वनस्पतियां पृथ्वी परिवार के अंग हैं। हम उन पर आश्रित हैं। पेड़ पौधों में भी जीवन होता है। हमारे और वृक्ष वनस्पतियों के बीच परस्परावलंबन है। वे सभी ऋतु चक्र को प्रभावित करते हैं। पृथ्वी के प्राकृतिक घटक अव्यवस्थित हो गए हैं। इसी अव्यवस्था के चलते उत्तराखण्ड सहित देश के अन्य राज्यों में भूस्खलन, बादल फटने की घटनाएं भी चिन्ता का विषय हैं। तूफान और बाढ़ आती है। भारत की अधिकांश नदियां जलहीन हो रही हैं। ऋतु परिवर्तन का चक्र गड़बड़ा गया है। इसका असर पशु पक्षियों पर भी पड़ा है। सन 2000 में पेरिस में ह्वअर्थ कमीशनह्व ने पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण के 22 सूत्र निकाले थे। ऐसी बैठकें लगातार होती रहीं। 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टिकाऊ विकास के 17 लक्ष्य निर्धारित किए थे। पर्यावरण इन लक्ष्यों में खासा महत्व रखता है। भारत ने टिकाऊ विकास के लक्ष्यों पर बढ़-चढ़कर काम किया है। पेट्रोल डीजल का उपयोग घटाने के प्रयास हुए हैं। विद्युत चलित वाहन बढ़ रहे हैं। लेकिन अभी ठोस परिणाम नहीं आए हैं। सभ्यता के विकास में शुरूआत में पेड़-पौधे ही हमारे संरक्षक और विधाता थे। हम उनको प्रणाम करते थे। पानी देते थे। वैदिक काल से ही पेड़ पौधों को प्रेम करने वाली संस्कृति प्रवाहमान है। वैदिक काल के बाद का चरण हड़प्पा सभ्यता है। यह खूबसूरत नगरीय सभ्यता थी। आजादी के बाद में नगरों महानगरों का अराजक विकास हुआ। नगर क्षेत्र विस्तार की नीति पेड़ पौधों को आत्मीय समझने वाली होनी चाहिए। हम भारत के लोग वनस्पतियों में देवता देखते रहे हैं। लोक मान्यता में प्रत्येक पेड़ का एक देवता होता है। विष्णु पीपल के देवता हैं। बरगद के देवता शिव हैं। सोम के देवता चन्द्रमा हैं। अशोक के देवता इन्द्र और आदित्य हैं। आंवला के देवता विष्णु हैं। महाभारत में कथा है। कृष्ण ने एक बार पृथ्वी की पूजा की थी। वे समाधिष्ट हो गए। पृथ्वी स्त्री वेश में कृष्ण के सामने पहुंचीं। कृष्ण ने पृथ्वी से अभिलाषा की, ह्वमां आप कैसे प्रसन्न होती हैं?ह्व पृथ्वी ने कहा, ह्वसभी जीवों को प्यार करो। पेड़ पौधों को संरक्षण दो। प्रतिदिन अपने भोजन का एक हिस्सा अलग रख लिया करो। जीव आएंगे और प्रसन्न होंगे। वृक्षों और वनस्पतियों को भी प्रेम की प्यास रहती है। पृथ्वी पर पेड़ पौधों की उपस्थिति एक असाधारण संरचना है। लाखों जीव और वनस्पतियां पृथ्वी में हैं। मैकडनल ने वैदिक माइथॉलजी में खूबसूरत टिप्पणी की है। ऋग्वेद के अनुसार वह वन वृक्षों का आधार हैं। वही वर्षा कराती हैं। अथर्ववेद में पृथ्वी सूक्त है। इस सूक्त में कहा गया है कि, ह्वयह वनस्पतियों का आधार है। पृथ्वी का गुण गंध है। यह गंध वनस्पतियों में हैह्व पृथ्वी संसार की धारक है। पेड़ों की कटान के विरुद्ध अधिनियम हैं। लेकिन इस कटान में स्थानीय पुलिस की भागीदारी रहती है। पूर्वजों का ध्यान वनस्पतियों पर था। ऋग्वेद में वनस्पतियों को देवता कहा गया है। अथर्ववेद के एक सूक्त (1.34) में ऋषियों के वनस्पति प्रेम की झांकी है। अथर्वा के सामने एक लता है। लता से कहते हैं, ह्वआप मधुरता के साथ पैदा हुई हैंह्व फिर कहते हैं, ह्वहे लता आप मधुर हैं। हमें भी मधुर बनाएंह्व समूचे वैदिक वांग्मय में वनस्पतियां छाई हुई हैं। ऋषियों ने सोम को देवता बताया है। सोम को वनस्पतियों का राजा भी कहा गया है। (ऋग्वेद 9.114.2) सोम एक वनस्पति थी। इससे रस निकाला जाता था। ऋग्वेद के अनुसार सोम देवताओं को प्रिय थी। उनकी मान्यता थी कि सोम का रस पीने से अमृत्व मिल जाता है। वनस्पतियां कई तरह की हैं। पेड़ों की कटान की तरफ सर्वोच्च न्यायालय ने देश का ध्यानाकर्षण किया है। यह बहुत उचित है। यह भारतीय जन गण मन का ध्यान खींचने वाला है। विकास की अंधी दौड़ में हमारी अस्मिता समाप्तप्राय हो रही है। प्राचीन संस्कृति के अनेक अवशेष आज भी हम सब का ध्यान परंपरा की ओर आकर्षित करते हैं। कोई व्यक्ति अपने फार्म हाउस में एक छोटा-सा बगीचा बनाता है। उसका नाम पंचवटी रखता है। पंचवटी श्रीराम का विश्राम स्थल थी। वाल्मीकि ने रामायण में बताया है कि, ह्वश्रीराम अयोध्या से पैदल चलकर प्रयागराज पहुंचे थे। प्रयागराज में त्रिवेणी के तट पर ऋषि भारद्वाज का आश्रम था। उन्होंने श्रीराम को आते देखा। वंदना की। उस समय आश्रम के सारे पेड़ पौधे नाच रहे थे। अथर्ववेद के ऋषि ने देवताओं से अपने लिए घर मांगा। लगे हाथ संभावित घर का नक्शा भी बना दिया। ऋषि कहते हैं कि हमें ऐसा घर दो जिसमें गाएं अपने बछड़े के साथ घूम भी सकें और वनस्पतियों औषधियों के पौधे भी घर की शोभा बढ़ाएं। बीते 30-35 वर्ष में वृक्षारोपण का काम सरकारों द्वारा किया गया है। पेड़ लगाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल प्रशंसनीय रही है। मोदी सरकार ने ह्वमिशन लाइफह्व, स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे परियोजना और राष्ट्रीय वन महोत्सव जैसी योजनाओं से पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया है। पर्यावरणीय नीति ह्वकैमपाह्व के माध्यम से राज्यों को हजारों करोड़ रुपये पेड़ लगाने के लिए दिए गए। योगी आदित्यनाथ ने 2017 से रिकॉर्ड वृक्षारोपण महाअभियान चलाया। 2022 में एक ही दिन में लगभग 35 करोड़ पौधे लगाए गए। अब तक उत्तर प्रदेश में लगभग 200 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। गंगा हरितिमा अभियान के अंतर्गत गंगा किनारे पेड़ लगाने का विशेष कार्यक्रम चलाया गया।

अग्नि पुराण में श्रीभगवान कहते हैं, ह्वअब मैं वृक्ष प्रतिष्ठा का वर्णन करता हूं। जो भोग और मोक्ष प्रदान करने वाली है। वृक्षों को सर्वो औषधि जल से लिप्त, सुगंधित चूर्ण से विभूषित तथा माला से अलंकृत करें। प्रत्येक वृक्ष का अधिवासन करें। वृक्ष के अधिवासन के समय ऋग्वेद, यजुर्वेद या सामवेद के मंत्रों से हवन करेंह्व वृक्ष तथा उद्यान की प्रतिष्ठा से परम सिद्धि की प्राप्ति होती है। पद्म पुराण में वृक्षारोपण का फल बताया गया है। पीपल का पेड़ लगाने से रोग नाश होता है और धन मिलता है। पाकड़ का पेड़ लगाने से यज्ञ का फल मिलता है। नीम का पेड़ लगाने से सूर्य देवता की कृपा हम पर बरसती है। इसी तरह बेल का पेड़ लगाने से शिव प्रसन्न होते हैं। कोई भी पेड़ लगाने से वातायन में सकारात्मक परिवर्तन होता है। पीपल, बरगद तो पूजनीय हैं ही। यजुर्वेद के शांति मंत्र में औषधियों वनस्पतियों के शांत रहने की प्रार्थना है-ह्वपृथ्वी शांत हों, अंतरिक्ष शांत हों, वनस्पतियां औषधियां शांत हों।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

पितृपक्ष: पितरों के प्रति श्रद्धा और संस्कृति की अनन्त परंपरा

> 'पितृपक्ष' अर्थात पितरों को समर्पित पक्ष। हिंदू परंपरा में यह विश्वास है कि इस पखवाड़े में हमारे पूर्वज धरती पर अपने वंशजों से मिलने और आशीर्वाद देने आते हैं। यह कालमान केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। जिस तरह एक वृक्ष अपनी जड़ों से रस पाकर हरा-भरा रहता है, उसी प्रकार मनुष्य भी अपने पितरों की स्मृति और आशीष से शक्ति पाता है।

भारत की सांस्कृतिक धारा इतनी विशाल और गहन है कि इसमें जीवन और मृत्यु दोनों के रहस्यों की गहन व्याख्या मिलती है। यहाँ केवल वर्तमान या भविष्य ही नहीं, बल्कि अतीत और स्मृति भी उतनी ही पवित्र स्थान रखती है। इन्हीं परंपराओं में से एक है पितृपक्ष, जिसे श्राद्ध पक्ष भी कहा जाता है। भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर आश्विन अमावस्या तक चलने वाला यह कालखंड भारतीय समाज में विशेष महत्व रखता है। यह सिर्फ धार्मिक अनुष्ठानों का समय नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने, अपनी जड़ों को याद करने और पारिवारिक-सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने का

राजेंद्र बहादुर सिंह

अवसर है। 'पितृपक्ष' अर्थात पितरों को समर्पित पक्ष। हिंदू परंपरा में यह विश्वास है कि इस पखवाड़े में हमारे पूर्वज धरती पर अपने वंशजों से मिलने और आशीर्वाद देने आते हैं। यह कालमान केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। जिस तरह एक वृक्ष अपनी जड़ों से रस पाकर हरा-भरा रहता है, उसी प्रकार मनुष्य भी अपने पितरों की स्मृति और आशीष से शक्ति पाता है। इस दृष्टि से पितृपक्ष को भूतकाल और वर्तमान का सेतु कहा जा सकता है।

पितृपक्ष में श्राद्ध करना अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। 'श्राद्ध' का शाब्दिक अर्थ है–श्रद्धा से किया गया कार्य। इसका उद्देश्य है–पूर्वजों को जल, अन्न और तिल अर्पित कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना। गरुड़ पुराण और महाभारत जैसे ग्रंथों में श्राद्ध और तर्पण का विस्तृत विवरण मिलता है। लोकविश्वास है कि इस दौरान किए गए तर्पण और दान से पितरों की आत्मा तृप्त होती है और वे वंशजों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। हिंदू दर्शन में जीवन और मृत्यु को एक निरंतर चक्र के रूप में देखा गया है। शरीर नश्वर है किंतु आत्मा अमर। पितृपक्ष इस सत्य की गहरी याद दिलाता है। जिस प्रकार देवताओं को यज्ञ में आह्वान किया जाता है, उसी प्रकार पितरों के लिए भी विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। गीता में भी कहा गया है कि ह्वपितृ यज्ञह्व मनुष्य के पाँच महायज्ञों में से एक है। अर्थात पूर्वजों का संमार्ग स्मरण, केवल व्यक्तिगत आस्था का विषय नहीं बल्कि सामाजिक कर्तव्य भी है। यदि केवल धार्मिक रीति-रिवाज के परे देखा जाए, तो पितृपक्ष एक सांस्कृतिक अनुशासन है। यह वह काल है जब परिवार के सभी लोग एकत्र होकर अपने पूर्वजों की स्मृति में अनुष्ठान करते हैं। यह सामूहिकता, पारिवारिक एकता और पीढ़ियों के बीच जुड़े रहने की भावना को मजबूत करती है। आज के समय में जब परिवार बिखरते जा रहे हैं, बुजुर्गों के अनुभव को पर्याप्त महत्त्व नहीं मिल रहा और नई पीढ़ी तेजी से वैश्वीकरण की चकाचौंध में अपनी जड़ों से दूर हो रही है, तब पितृपक्ष हमें यह स्मरण कराता है कि हम केवल वर्तमान नहीं हैं, बल्कि पीढ़ियों की वह कड़ी हैं जिन्हें मिलाकर हमारी अस्मिता बनती है।

भारत की परंपराएं कभी भी केवल आध्यात्मिकता तक सीमित नहीं रही हैं। इन अनुष्ठानों के माध्यम से पर्यावरणीय संतुलन और सामूहिक कल्याण का संदेश भी मिलता है। श्राद्ध के समय ब्राह्मण, गौ, कुत्ते, कौवे और अन्य प्राणियों को अन्न अर्पित करने की प्रथा है। यह केवल धार्मिक विधान नहीं, बल्कि प्रकृति और समाज के विभिन्न घटकों को 'परिवार' मानने की भावना है। कौए को पितरों का प्रतीक मानकर अन्न डालना दरअसल जैव विविधता और साझा जीवन के प्रति सम्मान का द्योतक है। आज का समाज तेजी से आधुनिकता और उपभोक्तावादी दृष्टिकोण की ओर अग्रसर है। परिणामस्वरूप परंपराओं को अंधविश्वास समझकर उपेक्षित किया जाने लगा है। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि पितृपक्ष अंधविश्वास नहीं है, बल्कि आत्म-जागरूकता और स्मृति की परंपरा है। इसके माध्यम से हम अपने पूर्वजों से प्रेरणा लेने के साथ-साथ यह सीखते हैं कि परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं बल्कि भविष्य का मार्गदर्शन भी है।

वर्तमान समय में जब सामाजिक जीवन में तेजी से बदलाव हो रहा है। लोगों का अपने बुजुर्गों से संवाद घट रहा है और अकेलेपन की समस्या गहराती जा रही है। तब पितृपक्ष हमें सामूहिकता, पारिवारिकता और सांस्कृतिक आत्मीयता का महत्व याद दिलाता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

पूर्णिमा श्राद्ध पर ऐसे करें पितरों का तर्पण

हिंदू धर्म में देवी-देवताओं की पूजा बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। वहीं पूर्वजों यानी की पितरों की आराधना को भी बहुत अहमियत दी जाती है। माना जाता है कि पितर हमारे जीवन में सुख-शांति और समृद्धि को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। हर साल पितृपक्ष के 15 दिनों के दौरान पितृ धरती पर आकर अपने वंशजों से श्राद्ध और तर्पण की अपेक्षा लेकर आते हैं। इस दौरान तर्पण, श्राद्ध और दान के जरिए उनको संतुष्ट किया जाता है, जिससे पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और वह अपने वंशजों को उन्नति का आशीर्वाद देते हैं। बता दें कि आज यानी की 07 सितंबर 2025 को भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष का पूर्णिमा तिथि है, इस तिथि का श्राद्ध किया जाता है। पूर्णिमा तिथि पर जल अर्पण, तिल तर्पण और श्राद्ध भोजन कराने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। पूर्णिमा तिथि को श्राद्ध करने से व्यक्ति को पितृदोष से शांति मिलती है और घर में सुख-समृद्धि आती है।

जानिए पूर्णिमा श्राद्ध का महत्व

इस श्राद्ध को पार्वण श्राद्ध के नाम से भी जाना जाता है। यह उन लोगों के लिए आयोजित किया जाता है, जिनका निधन पूर्णिमा तिथि को हुआ हो। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन श्राद्ध कर्म करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। साथ ही वह अपने वंशजों को आशीर्वाद प्रदान करते हैं। पूर्णिमा श्राद्ध पितृ पक्ष की शुरूआत से पहले एक अहम धार्मिक कृत्य है। श्राद्ध के सभी अनुष्ठान दोपहर 12 बजे के बाद से मध्य रात्रि रात 12 बजे से पहले समाप्त होने से पहले पूरा कर लेना चाहिए। अनुष्ठान के आखिरी में तर्पण करना जरूरी है, जोकि पितरों को तृप्त करने का अहम हिस्सा है।

पितृपक्ष की शुरूआत और समापन

हर साल पितृ पक्ष की शुरूआत भाद्रपद पूर्णिमा से होती है और इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या को होता है। पितृ पक्ष 15 दिनों तक चलता है और हर तिथि को पितरों का तर्पण और श्राद्ध किया जाता है। इस बार 07 सितंबर से पितृपक्ष की शुरूआत हो रही हैं, वहीं 21 सितंबर 2025 को महालया अमावस्या के दिन समाप्ति होगी।

ऐसे करें पूर्णिमा का श्राद्ध

श्राद्ध कर्म में पितरों के नाम से तर्पण, दान और ब्राह्मणों को भोज कराया जाता है और उनको यथानुसार दान-दक्षिणा दी जाती है। माना जाता है कि इस दिन ब्राह्मणों को भोजन कराने से यह सीधे हमारे पूर्वजों तक पहुंचता है। वहीं इसके बाद शुभ मुहूर्त में नदी या फिर घर पर तर्पण किया जाता है। इस दिन सात्विक भोजन और दान का विशेष महत्व होता है। श्राद्ध का एक महत्वपूर्ण हिस्सा कौए, गाय और कुत्ते को भी दिया जाता है। क्योंकि इन तीनों को पूर्वजों का प्रतिनिधि माना जाता है।

टिप्स

घने और मजबूत बालों का सीक्रेट है ग्रीन टी

आजकल बालों का झड़ना, डैंड्रफ और बालों से जुड़ी कई समस्याओं से लोग परेशान रहते हैं। बालों को सेहतमंद बनाए रखने के लिए लोग बालों में तरह-तरह के प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कई बार यह प्रोडक्ट्स बालों और स्कैल्प को नुकसान पहुंचा देते हैं। इसलिए एक्सपर्ट की सलाह पर ही बालों पर किसी भी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसे में अगर आप भी डैंड्रफ, बालों के झड़ने या फिर अन्य बालों से जुड़ी समस्या से परेशान हैं, तो आप अपने स्कैल्प पर ग्रीन टी लगा सकते हैं। यह बालों की सेहत के लिए फायदेमंद मानी जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि बालों पर ग्रीन टी का कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

मजबूत करता है स्कैल्प : ग्रीन टी में कैटेचिन्स और पॉलीफेनॉल्स पाया जाता है। जोकि बहुत ज्यादा पॉवरफुल एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। इसको लेने से शरीर में फ्री रेडिकल्स खत्म होते हैं और हार्मोन को भी कंट्रोल करता है। महिलाओं और पुरुषों में ऊ्रळ हार्मोन हेयर फॉल की वजह होती है। इसके अलावा ग्रीन टी में विटामिन ए, विटामिन उ और बायोटिन पाया जाता है, जोकि स्कैल्प के ब्लड सकुर्लेशन को सुधारता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

नप ने आमजन से की साफ सफाई की अपील

साहिबगंज : नगर परिषद, साहिबगंज की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान आयोजित होने वाले मेला, जुलूस, झांकी आदि को देखते हुए क्षेत्र में साफ-सफाई एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था बनाए रखने हेतु नगर परिषद की ओर से निम्न अपील की जाती है किसी भी प्रकार के सामूहिक क्रय विक्रय, आयोजन अथवा उत्सव में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें।

नगर परिषद क्षेत्रान्तर्गत सभी लॉज, होटल, विवाह भवन, वाणिज्यिक भवनों एवं प्रतिष्ठानों को नगर परिषद नियमावली, 2013 का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है। साथ ही सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग केवल निर्धारित स्थल पर ही करें। नगर परिषद, साहिबगंज को स्वच्छ एवं अतिक्रमण मुक्त बनाने में सहयोग प्रदान करें। सार्वजनिक स्थलों पर इधर-उधर कूड़ा न फेंकें। कूड़े का निस्तारण केवल निर्धारित कुड़ेदान में ही करें।नगर परिषद, साहिबगंज ने यह भी स्पष्ट किया है। कि उपरोक्त निदेशों का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध वित्तीय जुमार्ना एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।नगर परिषद की यह अपील है। कि सभी नागरिक आगामी पर्व-त्योहारों को उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने हेतु सहयोग प्रदान करें और नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाएँ।

नगर थाना इंस्पेक्टर ने व्यवस्थित किया वाहनों का आवागमन

साहिबगंज : शहर के रेलवे स्टेशन चौक पर वाहनों के आय दिन लगने वाले जाम को रविवार को नगर थाना इंस्पेक्टर अमित गुप्ता ने दलबल के साथ व्यवस्थित किया।इस दौरान उन्होंने चालकों को जहां-तहां वाहन खड़ा करने से मना करते हुए उन्हें आगे से ऐसा करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी।इंस्पेक्टर ने बताया कि आय दिन वाहनों के जहां तहां खड़ा करने से स्टेशन चौक पर जाम की शिकायत मिल रही थी।वाहन चालकों को स्टेशन चौक पर इधर-उधर वाहन नहीं खड़ा करने की हिदायत दी गई है। नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

वैदिक मंत्रोच्चार मां गंगा का विधिवत पूजन कर मां गंगा की भव्य आरती

साहिबगंज : रविवार को संध्या मे भाद्र मास,शुक्ल पक्ष,पूर्णिमा तिथि के अवसर पर ₹मां गंगा सेवा समिति साहिबगंज की ओर से हर माह की तरह इस माह भी पूर्णिमा के अवसर पर साहिबगंज के स्थानीय मुक्तेश्वर धाम सीढ़ी घाट गंगा तट पर पुरोहित धनेश तिवारी के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार मां गंगा का विधिवत पूजन कर मां गंगा की भव्य आरती की गई। पूरा गंगा तट भक्तिमय माहौल के साथ हर हर गंगे,जय मां गंगे,हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।इस अवसर पर ₹मां गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय,शशि कुमार सुमन,जगन्मय मिश्रा,संदीप अवस्थी, आभाष ओझा,सिद्धार्थ कुमार,सुरेश ओझा,अरुण विश्वकर्मा आदि सदस्यगण उपस्थित थे।

मनाई गई माता जी की पुण्यतिथि, किया बारह घंटे का अखंड जप

साहिबगंज : गायत्री परिवार द्वारा रविवार को चौधरी कॉलोनी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में पूजनीय माता जी की पुण्यतिथि मनाया गया।मौके पर निशुल्क औषधीय पौध वितरण भी किया गया।आज सुबह 5 बजे से ही बारह घंटे का अखंड जप शक्तिपीठ में शुभारंभ किया गया। कलह स्थापना पुरोहित जयराम चौधरी ने वैदिक विधान से कराया तथा देव आवाहन पूजन कर अखंड जप की शुरूआत की गई।बताया गया कि गायत्री परिवार की संस्थापिका पूजनीय माता भगवती देवी शमार्जी की पुण्य तिथि हर साल भादो पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।व्यवस्थापक हरिहर प्रसाद मंडल ने बताया कि शक्तिपीठ के माध्यम से आज 108 औषधीय पौधे निशुल्क वितरण किए गए।सर्वप्रथम गायत्री परिवार के वरिष्ठ परिजन बीरेंद्र कुमार चौधरी एवं देव मुनि पोद्दार के हाथों पौध वितरण का शुभारंभ किया गया।मौके पर डॉ दीपक कुमार,अभय कुमार,शिवशंकर निराला, ओंकार नाथ मिश्रा,राजेंद्र प्रसाद संगीता कुमारी निभा देवी सरिता पोद्दार गीता देवी रितु गुप्ता आदि मौजूद थे।

अयोध्या में ऊमर वैश्य समाज का दो दिवसीय अधिवेशन सम्पन्न

साहिबगंजःऊमर वैश्य समाज को ओबीसी के केंद्रीय सूची में शामिल किए जाने सहित वैश्य समाज की एकजुटता देश की जरूरत आदि विषयों को लेकर अयोध्या में शनिवार और रविवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में साहिबगंज जिले से बड़ी संख्या में ऊमर वैश्य समाज के लोग शामिल हुए।अधिवेशन को संबोधित करते हुए साहिबगंज के जिला अध्यक्ष दिलीप साह ने कहा कि अधिवेशन का उद्देश्य देश के हर प्रांतों में ऊमर वैश्य समाज को ओबीसी की सूची में शामिल करना है।वहीं जाति जनगणना में हमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना है इस कार्यक्रम में साहिबगंज से अवधेश कुमार,पवन मोदी,मोहन मोदी,सतीश कुमार साह, संजय मोदी सहित कई लोग शामिल हुए।

देवघर में निजी अस्पताल खुले में फेंक रहे मेडिकल वेस्ट, कार्रवाई की चेतावनी

संवाददाता

देवघर : जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार कई प्रयास कर रही है। हाल के दिनों में ही राज्य के स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार ने देवघर में मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल खोलने के लिए जमीन को भी चिन्हित किया है। लेकिन सिर्फ सरकार के प्रयास से ही स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत नहीं हो सकती बल्कि मुकम्मल स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए आम लोग और कई निजी संस्थाओं के सहयोग की भी आवश्यकता होती है। देवघर जिले में संचालित कई निजी अस्पताल स्वास्थ्य व्यवस्था की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

दरअसल निजी अस्पतालों से जो भी कचरा निकलता है, वह सही स्थान पर डंप नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण परेशानी हो रही है। जबकि नियमानुसार निजी अस्पतालों से निकलने वाले मेडिकल कचरे को सही तरीके से जमा करने के बाद उसे इंसीनरेटर (क्ठउक्ठ-एफ्अळडफ) में नष्ट किया जाता है ताकि मेडिकल कूड़े से किसी को इन्फेक्शन न फैले।

देवघर जिले की बात करें तो बाजला चौक के पास स्वास्थ्य संस्थानों से निकलने वाला कचरा ऐसे ही सड़क किनारे फेंक दिया जाता है। उपयोग की गई सीरिंज, ऑपरेशन में उपयोग किए गए कॉटन, खून से सने बैंडेज, स्लाइन की बोतलें इत्यादि, यह सभी ऐसे ही सड़क पर फेंक दिए जाते हैं। जिसे नगर निगम की तरफ से समय-समय पर उठाया जाता है।

सफाई न रखने पर कार्रवाई की जाएगी

नगर निगम को मेडिकल के कचड़े के निस्तारण में परेशानी हो रही है, क्योंकि उनके पास भी मेडिकल से जुड़े कचरे के निष्पादन को लेकर कोई मशीनरी नहीं है। इसी को लेकर नगर निगम की तरफ से जिले के सभी अस्पताल संचालकों से यह आग्रह किया जा रहा है कि अपने अस्पताल से निकलने वाले मेडिकल वेस्ट को जहां-तहां न फेंके।

अस्पताल संचालकों की लगातार लापरवाही को देखते हुए नगर निगम के अधिकारी अब सभी अस्पताल संचालकों को लाउडस्पीकर के माध्यम से सूचित कर रहे हैं कि यदि कोई अस्पताल संचालक सड़क किनारे मेडिकल कचरे को फेंकता है तो उनके ऊपर कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम के कर्मचारी लाउडस्पीकर के माध्यम से यह बताते चल रहे हैं कि अस्पताल के कचरे को सही तरीके से जमा कर उन्हें ट्रांसपोर्ट के माध्यम से इंसीनेटर मशीन तक पहुंचाएं। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के माध्यम से इस कचरे का निष्पादन न करवाएं।

निगम की तरफ से यह हिदायत दी गई है कि मेडिकल वेस्ट के निस्तारण को लेकर जो एजेंसियां अधिकृत की गई हैं, उन एजेंसियों के माध्यम से ही कचरे का उठाव करवाएं। क्योंकि नगर निगम के कर्मचारी जब मेडिकल कचरा का उठाव करते हैं तो वह कई बार घायल हो जाते हैं और उनके बीमार होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसीलिए अधिकृत एजेंसी के माध्यम से मेडिकल कचरे का उठाव करना जरूरी है। जिससे स्वच्छ देवघर का सपना पूरा हो सके।

वहीं पूरे मामले पर देवघर जिले के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सिविल सर्जन डॉक्टर युगल किशोर चौधरी से बात की तो उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह एक बहुत बड़ी समस्या है। उन्होंने भी इस समस्या को लेकर कई बार निजी अस्पताल संचालकों को हिदायत दी है। लेकिन इसके बावजूद मेडिकल से जुड़े कचरे का उचित निस्तारण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन अस्पतालों की शिकायत उनके पास पहुंचेगी वह अपने स्तर से जरूर कार्रवाई करेंगे।

वहीं देवघर के सभी निजी अस्पताल संचालकों को नगर निगम की तरफ से स्पष्ट कर दिया गया है कि पहले माइक/लाउडस्पीकर के माध्यम से अस्पताल संचालकों को समझाया जा रहा है यदि उसके बावजूद अस्पताल संचालक अपनी आदतों से बाज नहीं आते हैं तो आने वाले समय में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बीमारी फैलने का डर रहता है

गौरतलब है कि मेडिकल संस्थानों से निकलने वाले कचरे के निस्तारण को लेकर पॉल्यूशन बोर्ड, जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की तरफ से कई निर्देश दिए जाते हैं, जिसमें यह हिदायत दी जाती है कि अस्पताल संचालक अपनी जिम्मेदारी पर मेडिकल वेस्ट को इंसीनरेटर तक पहुंचाएंगे। किसी भी कीमत पर मेडिकल से जुड़े कचरे को सड़क किनारे नहीं फेंकेंगे। मेडिकल वेस्ट के लिए अस्पताल में डस्टबिन का उपयोग करेंगे। इसके बावजूद देवघर के ज्यादातर अस्पताल संचालक मेडिकल से जुड़े कचरे को रोड किनारे फेंकते हैं जिससे लोगों में बीमारी फैलने का डर बना हुआ रहता है।

नोनीहाट को प्रखंड एवं थाना बनाने को लेकर चलाया गया हस्ताक्षर अभियान

संवाददाता

बासुकीनाथ : जरमुंडी प्रखंड के पेटसार पंचायत के विभिन्न गांवों में नोनीहाट को प्रखंड एव थाना बनाओ संघर्ष समिति के द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिसका नेतृत्व समाजसेवी सह अधिवक्ता रामजीवन मांझी अधिवक्ता ने किया। अधिवक्ता श्री मांझी ने बताया कि आम जनता के हित को देखते हुए नोनीहाट को प्रखंड एवं थाना का दर्जा मिलना चाहिए। प्रखंड एवं थाना का दर्जा मिल जाने से आम जनता को काफी सुविधा होगी। मौके पर मुखिया दशरथ पुजहर , सामाजिक कार्यकर्ता राजेश कुमार सिंह , पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि चंदन कुमार राय, छेदन लायक,देवनंदन कुमार मांझी, वार्ड सदस्य ललिता देवी,गुड्डू कुमार लायक, महेंद्र डोम, पीनू डोम, प्रवेश मोहली, पवन डोम, गोपाल दास, राजेंद्र मांझी समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

[08/09, 11:25 ॑] अ'ङ्क' फ्ल्लंल्ल 1ः बिजली की गंभीर समस्या समस्या से आम जनता परेशान।ल्रीं॑ल्ली।

दुमका।।।।। नगर क्षेत्र के दुधानी सिनेमा हॉल के पीछे स्थित मोहल्ले में बिजली की समस्या लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मोहल्ले में लगा ट्रांसफार्मर बार-बार ओवरलोड हो जाता है, जिसकी वजह से विशेषकर रात के समय बिजली आपूर्ति बाधित रहती है।

जानकारी के अनुसार, इस मोहल्ले में केवल एक ही ट्रांसफार्मर है, जबकि हाल ही में प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत कई नए घरों का आवंटन किया गया। नए लाभुकों ने भी इसी ट्रांसफार्मर से बिजली कनेक्शन ले लिया, जिससे लोड अचानक बढ़ गया है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि बार-बार बिजली की खराबी से लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है और रात के समय अंधेरे में असुविधा होती है।

जिला अध्यक्ष के चयन को लेकर चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्षता के साथ पूरा करने की जिम्मेदारी

संवाददाता

साहिबगंज : संगठन सृजन अभियान 2025 के तहत साहेबगंज जिला अध्यक्ष चयन हेतु साहेबगंज प्रखंड ग्रामीण कांग्रेस कमेटी,मंडरो प्रखंड कांग्रेस कमेटी एवं बरहेट प्रखंड कांग्रेस कमेटी के साथ एक बैठक संपन्न हुई।बैठक में एआईसीसी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक टोकिया प्रभु जी,प्रदेश से नियुक्त पर्यवेक्षक अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम एवं प्रदेश उपाध्यक्ष मणिशंकर मुख्य रूप से उपस्थित थे।बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में साहिबगंज जिला प्रभारी सह झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह की गरिमामई उपस्थिति रही।बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकत खान,प्रदेश सचिव अनिल ओझा और प्रखंड कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष,मंडल अध्यक्ष और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।वहीं बैठक को को संबोधित करते हुए एआइसीसी पर्यवेक्षक टोकिया प्रभु जी ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत जिला अध्यक्ष के चयन को लेकर चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्षता के साथ पूरा करने की जिम्मेदारी हमें दी गई है।जिला अध्यक्ष का चुनाव लड़ने के लिए लिए प्रत्याशी के लिए पात्रता तय कि गई है जिसमे प्रत्याशी का कांग्रेस के विचारधारा पर मजबूती से डटे रहने वाला,वफादारी से पार्टी का काम करने वाला,उसके द्वारा संगठन में पूर्व में मिली जिम्मेदारियों को लेकर रिपोर्ट,साफसुथरी एवं बेदाग छवि,एवं शून्य अपराधिक पृष्ठभूमि का होना अनिवार्य है।हम ये भी देखेंगे कि उनके परिवार का कोई सदस्य किसी अन्य पार्टी के जुड़ा न हो।बैठक के उपरान्त पर्यवेक्षक प्रभु टोकिया जी मंडरो प्रखंड कांग्रेस कमेटी एवं बरहेट प्रखंड कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ से वन टू वन मुलाकात किये तथा सभी की रायशुमारी ली।

रामगढ़ में लूटपाट, हथियारबंद डकैतों ने लूट ली ज्वेलरी दुकान

संवाददाता

रामगढ़ : जिला में थाना क्षेत्र के सतकौड़ी नगर सोने चांदी के होलसेल दुकान जीसी जेवेलर्स में अपराधियों ने तांडव मचाया है। पांच की संख्या में हथियारबंद अपराधियों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया है।

रामगढ़ थाना क्षेत्र में अपराधियों का तांडव देखने को मिला जहां रविवार शाम 5-7 की संख्या में सतकौड़ी नगर नगर के जीसी जेवेलर्स होलसेल सोने चांदी के दुकान में डकैतों ने जमकर उत्पात मचाया। गहने की दुकान से लगभग ढाई लाख कैश और सोने-चांदी के जेवरात लूटकर फरार हो गए।

इस दौरान डकैतों ने दुकान संचालक के पुत्र आशीष और स्टाफ के साथ जमकर मारपीट की तिजोरी की चाबी नहीं देने पर संचालक के पुत्र के पिस्टल के बट से मारकर घायल कर दिया। वहीं संचालक और स्टाफ के साथ भी जमकर मारपीट की। पूरी वारदात में लुटेरों ने कई राउंड फायरिंग भी की। हालांकि इस फायरिंग में संचालक के पुत्र बालबाल बच गए और जब संचालक के पुत्र को गोली नहीं लगी तब पिस्टल के बट से बुरी तरह घायल कर रकम और जेवरात लूटकर फरार हो गए।

भागने के दौरान डकैतों का एक देसी कट्टा घर के बाहर सड़क पर गिर गया। गोलीबारी की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग इकट्ठा हुए तब तक डकैत फरार हो गए थे। मोहल्ले के लोगों ने पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी घटनास्थल पर पुलिस पहुंची दुकान को शटर के बंद कर सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों के साथ-साथ दुकानदारों में भी डर है।

दुकान संचालक की पत्नी ने बताया कि एक ग्राहक कुछ सोने की जेवरात लेने के लिए आने वाले थे। इसीलिए दुकान को खोल कर रखा गया था तभी चार की संख्या में हथियार के साथ युवक दुकान के अंदर प्रवेश किया। जब उनसे पूछा गया कि क्यों आए हैं तब अचानक वह दुकान में मौजूद उनके पति, पुत्र और स्टाफ के साथ मारपीट करने लगे।

इस बीच वे जेवरात और रुपए की मांग करने लगे जब पुत्र और पति ने देने से इनकार किया तो वे लोग दुकान में तोड़फोड़ करने लगे तिजोरी को पलट दिया। हथियार के बल पर जेवरात और दिन भर के सेल के लगभग ढाई लाख रुपए छीन लिए और तिजोरी चाबी नहीं देने पर फायरिंग शुरू की। हालांकि कई राउंड फायरिंग की लेकिन संचालक के पुत्र आशीष सूझबूझ दिखाते हुए बच गए लेकिन डकैतो ने संचालक के पुत्र आशीष के सर पर पिस्टल के बट से जोरदार मार दिया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया।

रामगढ़ थाना के सब इंस्पेक्टर उपेंद्र कुमार ने कहा कि चार-पांच की संख्या में हथियारबंद नकाबपोश डकैतों ने घटना को अंजाम दिया है। ज्वेलरी और नकद राशि लूटने की सूचना है भागने के दौरान एक देसी कट्टा गिर गया जिसे पुलिस ने जब्त किया है। स्थानीय मिथलेश सिंह ने कहा कि ये सबसे सुरक्षित मोहल्ला माना जाता था लेकिन इस तरह की घटना ने सबको हिलाकर रख दिया है। पहले पुलिस गली में पेट्रोलिंग आती थी लेकिन पिछले कई महीनो से पेट्रोलिंग आना बंद हो गया है।

ये घटना रामगढ़ थाना से महज 300 मीटर की दूरी पर हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस पहुंची और दुकान के शटर को बंद कर दिया। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद पूरी वारदात को देखने में जुट गई है ताकि डकैतो की पहचान हो सके।

शादी को लेकर आ रहीं खबरों से घबराए रणवीर शौरी

रणवीर शौरी की गिनती बॉलीवुड के ऐसे कलाकारों में होती है, जो काफी चुनिंदा फिल्में करने पर ध्यान देते हैं। अपनी फिल्मों और किरदारों के अलावा अभिनेता अपनी पर्सनल जिंदगी को लेकर भी खुलकर बात करते हैं। अब एक्टर ने एक बार फिर अपने व्यक्तिगत जीवन को लेकर बात की है और बताया कि ये उनके लिए प्यार में पड़ने का सही समय नहीं है।

प्यार में पड़ने का ये अच्छा समय नहीं

हाल ही में डिजिटल कमेंट्री के साथ बातचीत के दौरान रणवीर शौरी ने प्यार और रिश्तों को लेकर बात की। इस दौरान अभिनेता ने कहा कि वो अभी भी डेटिंग एप पर हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि 19 साल की उम्र से ही मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत रहा हूं। एक्टर ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि जैसे-जैसे पुरुषों और महिलाओं की खुद के द्वारा तय की गई भूमिकाएं, फिर से बताई जा रही हैं, उनके बीच की दूरी बढ़ गई है। कितनी खबरें आ रही हैं कि कहीं पे बीवी ने पूर्व प्रेमी के साथ पति को मार दिया, कहीं पे पति ने अपने परिवार के साथ पत्नी को मार दिया। मैं तो वैसे भी प्यार के मामले में भाग्यशाली नहीं हूं। इसीलिए मुझे लगता है कि अभी प्यार में निवेश करने का अच्छा समय नहीं है।

मुझे डेटिंग एप में कोई दिलचस्पी नहीं

डेटिंग एप के इस्तेमाल और उस पर प्रोफाइल बनाने पर एक्टर का कहना है कि डेटिंग एप पर मैंने अपना प्रोफाइल यह देखने के लिए बनाया था कि क्या मुझे किसी से मिलने का मौका मिलेगा। इसके अलावा मुझे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। जब मार्केट डाउन होता है तो निवेशक पैसा नहीं लगाता न? तो अभी मार्केट डाउन है, कुछ मत लगाओ। आजकल वो वक्त है जहां बीवी बोल देती है कि मेरा एक्स-बॉयफ्रेंड भी परिवार है और आप कुछ नहीं कह पाएंगे क्योंकि 10 लोग उसका समर्थन कर रहे होंगे कि गलत क्या कह रही है? तो ये मंदी का टाइम है, घर पर बैठो और बॉडीबिल्डिंग करो।

ऐसी रही है रणवीर शौरी की लव लाइफ

रणवीर शौरी अपनी लव लाइफ को लेकर भी काफी चर्चाओं में रहे हैं। 2000 के दशक की शुरुआत में वो अभिनेत्री पूजा भट्ट के साथ लंबे समय तक रिश्ते में रहे था। हालांकि, बाद में दोनों अलग हो गए। बाद में उन्होंने 2010 में अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा से शादी की और 2011 में उनके बेटे हारून का जन्म हुआ। हालांकि, उनकी शादी में मुश्किलें आईं और 2015 में वे आधिकारिक रूप से अलग हो गए, और 2020 में उनका तलाक हो गया।

निशानची की रिलीज से पहले दर्शकों पर भड़की अनुराग की बेटी आलिया

फिल्म निर्माता और अभिनेता अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप उन दर्शकों पर भड़क गई हैं जो अच्छी फिल्मों का समर्थन नहीं करते। हालांकि ऐसे लोग अच्छे सिनेमा की मांग करते हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी अभिनीत हाल ही में रिलीज हुई फिल्म धड़क 2 का जिक्र करते हुए उन्होंने लिखा कि वर्षों बाद ऐसी फिल्मों को अचानक कल्ट क्लासिक के रूप में सराहा जाने लगा है। उन्होंने दर्शकों से अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी फिल्म निशानची को देखने का भी आग्रह किया। आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा मेरे पिता अनुराग कश्यप की नई फिल्म निशानची 19 सितंबर को रिलीज हो रही है। मैंने खुद देखा है कि इसमें शामिल सभी लोगों ने बहुत मेहनत की है। अगर हम वाकई अच्छा, प्रभावशाली और सार्थक सिनेमा चाहते हैं, तो हम इसे सिर्फ बाद में देखकर नहीं सराह सकते। अच्छा सिनेमा समय के साथ बेहतर नहीं होता, इसे अभी देखा जाना चाहिए।

आलिया ने आगे लिखा कई बॉलीवुड फिल्में जिसमें उड़ान, लुटेरा, लंच बॉक्स, मसान और अक्टूबर शामिल हैं को रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करना पड़ा। ऐसा क्यों है कि इन फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया और अपने देश में नहीं? कई साल के बाद लोगों ने उनकी तारीफ की।

फिल्मों की देर में होती है तारीफ

आलिया ने आगे कहा फिल्मों की तारीफ तो बहुत होती है, लेकिन हमेशा बहुत देर से। उन फिल्म निर्माताओं और रचनात्मक लोगों का क्या, जिन्होंने इन्हें बनाने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया? उन्हें वह समर्थन तब नहीं मिलता जब उन्हें इसकी जरूरत होती है। जब दर्शक ही नहीं आते, तो ऐसी और फिल्में बनना और भी मुश्किल हो जाता है।

निशानची के बारे में

फिल्म निशानची बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्या ठाकरे की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। इसमें वेदिका पिंटो के साथ मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म 19 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आज इसका ट्रेलर रिलीज हो गया है।

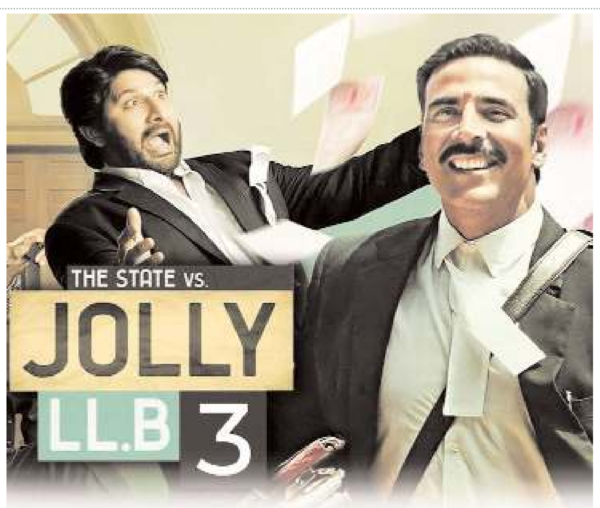

जॉली एलएलबी-थ्री फिल्म विवादों में घिरी

फिल्म जॉली एलएलबी-3 में जस्टिस और वकील के बीच फिल्माए गाने पर अपत्ति दर्ज करवाते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। 9 सिंतबर को इसकी सुनवाई होगी। याचिका जबलपुर निवासी अधिवक्ता प्रांजल तिवारी की ओर से दायर की गई है, जिसमें एडवोकेट प्रमोद सिंह तोमर और आरजू अली पैरवी करेंगे। अभिनेता अक्षय कुमार और अरशद वारसी फिल्म में भाई वकील हैं। याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि फिल्म में गले में बैंड लगाकर, गाउन पहनकर डांस किया गया है, जो कि वकालत के गणवेश को अपमानित कर रहा है। जॉली एलएलबी-3, 19 सिंतबर को रिलीज हो रही है। अक्षय कुमार अरशद वारसी पर फिल्म में एक गाना फिल्माया गया है, जिसके बोल है कि फिक्र ना कर तेरा भाई वकील है। गाने में कोर्ट रूम भी दिखाया है, जहां लड़कियां डांस कर रही हैं। याचिकाकर्ता के वकील प्रमोद सिंह तोमर का कहना है कि फिल्म में जो गाना वह आपत्तिजनक है। अधिवक्ता प्रमोद सिंह तोमर ने बताया कि न्यायपालिका के जज के लिए मामू जैसे शब्द का उपयोग किया जा रहा है, जिसके संदर्भ में याचिकाकर्ता ने राज्य शासन, प्रमुख सचिव गृह विभाग, सचिव, सूचना एवं प्रसारण, भारत सरकार, नई दिल्ली और चेयरमैन सेंट्रल बोर्ड आफ फिल्म सर्टिफिकेशन को पक्षकार बनाते हुए फिल्म के गाने पर अपत्ति दर्ज करवाते हुए फिल्म से इस गाने को अलग किया जाए। न्यायपालिका की जो छवि वो जनता के मन में स्वच्छ रहे, और इस गाने से वकील और जज की छवि धूमिल ना हो। इससे पहले पटना हाईकोर्ट में पैरवी करने वाले अधिवक्ता नीरज कुमार ने भी जॉली एलएलबी-3 के खिलाफ याचिका दायर की है। उनका आरोप है कि फिल्म में न्यायपालिका और वकालत पेशे को अपमानजनक ढंग से दर्शाया गया है, जिससे वकीलों की गरिमा को ठेस पहुंची है।

प्रभास ने अनुष्का शेट्टी को 'घाटी' के लिए दीं शुभकामनाएं

अनुष्का शेट्टी अपनी आगामी फिल्म 'घाटी' से सिनेमाघरों में वापसी को तैयार हैं। 5 सितंबर को रिलीज होने वाली इस फिल्म को लेकर शुरू से ही क्रेज बना हुआ है। फैंस एक बार फिर अनुष्का शेट्टी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं। अब फिल्म की रिलीज से एक दिन पहले अभिनेता प्रभास ने अनुष्का शेट्टी को फिल्म के लिए शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही फिल्म के ट्रेलर की तारीफ भी की है।

प्रभास ने की तारीफ

प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इसमें उन्होंने घाटी के रिलीज ट्रेलर का लिंक भी मेंशन किया है। साथ ही फिल्म की तारीफ करते हुए अनुष्का शेट्टी को शुभकामनाएं भी भेजी हैं। प्रभास ने अपनी स्टोरी में लिखा, 'घाटी का रिलीज ट्रेलर काफी शानदार और प्रभावी लग रहा है। तुमको इस दमदार किरदार में देखने के लिए उत्सुक हूं स्वीटी। 'घाटी' की पूरी टीम को मेरी तरफ से शुभकामनाएं।'

एक्शन-थ्रिलर है 'घाटी'

'घाटी' पिछले काफी वक्त से टल रही है। अब अंततः फिल्म रिलीज होने जा रही है। कृष जगरलामुदी द्वारा निर्देशित 'घाटी' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अनुष्का शेट्टी एक दमदार अंदाज में नजर आ रही हैं। फिल्म के ट्रेलर में कुछ एक जगह वो जहां, काफी सीधी-साधी नजर आती हैं, तो वहीं कई जगह वो जबरदस्त एक्शन करते भी दिखती हैं।

'बाहुबली' के बाद प्रभास और अनुष्का के अफेयर की थीं चर्चाएं

अनुष्का शेट्टी और प्रभास एसएस राजामौली की 'बाहुबली' में एक साथ नजर आए थे। इसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं भी शुरू हुई थीं। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते पर कोई बात नहीं की। लेकिन समय-समय पर अक्सर ही दोनों के रिश्ते में होने की खबरें आती रहीं। हालांकि, इस बीच प्रभास का नाम कभी कृति सेनन से भी जुड़ा। अब अनुष्का शेट्टी को स्वीटी कहकर संबोधित करने पर एक बार फिर दोनों के अफेयर की चर्चाएं उड़ने लगी हैं।

दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं अनुष्का

'घाटी' से अनुष्का शेट्टी लगभग दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। अनुष्का आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी' में नजर आई थीं। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म थी, जिसे पसंद किया गया था। अब अनुष्का इस बहुप्रतीक्षित फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

गोरखपुर के संघर्षों की दिखी कहानी, सीएम योगी की बायोपिक का ट्रेलर रिलीज

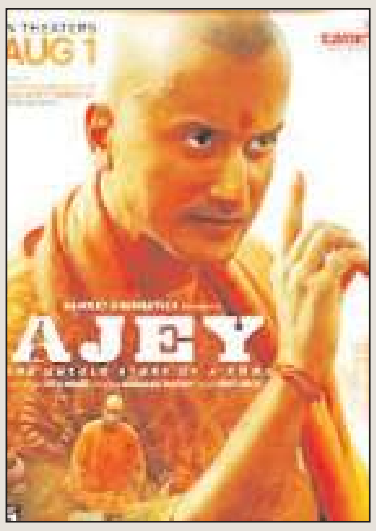

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर एक फिल्म बनाई जा रही है 'अजेय – द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी'। इस आगामी फिल्म का मेकर्स ने आज गुरुवार को ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर में गोरखपुर के संघर्षों और सीएम योगी के विद्यार्थी जीवन की कहानी दिखाई दे रही है। अजेय – द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी फिल्म 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 01 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, इसके बाद इसकी नई तारीख की घोषणा की गई है। इस फिल्म में दिनेश लाल यादव, परेश रावल, अजय मेंगी, पवन मल्होत्रा, राजेश खट्टर, गरिमा विक्रांत सिंह और सरवर आहूजा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। यह फिल्म शांतनु गुप्ता की किताब द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर पर आधारित है। रविंद्र गौतम ने योगी आदित्यनाथ की इस बायोपिक को निर्देशित किया है। इस फिल्म का म्यूजिक, बैकग्राउंड स्कोर मीत ब्रदर्स ने तैयार किया है।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो बहु-दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम घोषित, श्रेयस अय्यर कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट कंट्रोंल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली दो बहु-दिवसीय मैचों की सीरीज के लिए 15 सदस्यीय इंडिया ए टीम की घोषणा कर दी। यह सीरिज 16 सितंबर से लखनऊ में खेली जाएगी। टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को उपकप्तान बनाया गया है। स्कवाड में साई सुदर्शन, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्होंने हाल ही में इंग्लैंड में संपन्न हुई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लिया था। बीसीसीआई की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक के.एल. राहुल और मोहम्मद सिराज को दूसरे बहु-दिवसीय मैच में टीम से जोड़ा जाएगा। वे पहले मैच के बाद दो खिलाड़ियों की जगह लेंगे। दूसरा मैच 23 सितंबर से खेला जाएगा। यह सीरीज अभिमन्यु ईश्वरन, तनुष कोटियन और एन. जगदीशन जैसे खिलाड़ियों के लिए भी अहम होगी जो हाल के समय में भारतीय टेस्ट टीम के करीब रहे हैं लेकिन अभी तक डेब्यू नहीं कर पाए हैं। वहीं बाएं हाथ के स्टाइलिश बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल भी इस मौके का फायदा उठाकर टेस्ट टीम में वापसी करना चाहेंगे। पडिक्कल ने पिछली बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान भारत के लिए ₹लालर₹ गेंद से खेला था। उनके खाते में अभी तक केवल दो टेस्ट मैच दर्ज हैं। गौरतलब है कि यह सीरीज 11 सितंबर से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी फाइनल के बाद खेली जाएगी । यह दो अक्टूबर से शुरू होने वाले वेस्टइंडीज दौरे की तैयारी के लिहाज से भी अहम साबित होगी। दो बहु-दिवसीय मैचों के बाद 30 सितंबर, तीन और पांच अक्टूबर को कानपुर में तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे।

इंडिया ए टीम:

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, एन. जगदीशन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान, विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, हर्ष दुबे, आयुष बडोनी, नितीश कुमार रेड्डी, तनुष कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा, गुर्नूर बराड़, खलील अहमद, मानव सुथार, यश ठाकुर।

यूएस ओपन 2025 के फाइनल में पहुंचे जैनिक सिनर, कार्लोस अल्कराज से होगा सामना

एजेंसी

न्यूयॉर्क : इटली के जैनिक सिनर ने शुक्रवार को यूएस ओपन टेनिस टूनामेंट के सेमीफाइनल में 25वीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना कार्लोस अल्कराज से होगा। इससे पहले अल्कराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम पर 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविच को मात दी। वहीं, सिनर भले ही कुछ मौकों पर लय से भटके लेकिन उन्होंने संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए लगातार तीसरे ग्रैंडस्लैम फाइनल में प्रवेश किया। सिनर ओपन एरा (1968 से) में एक सीजन में चारों ग्रैंडस्लैम के फाइनल तक पहुंचने वाले केवल चौथे खिलाड़ी बने। उनसे पहले यह उपलब्धि रॉड लेवर, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ने हासिल की थी। जीत के बाद सिनर ने कहा, ह्लयह मेरे लिए अद्भुत सीजन रहा है। ग्रैंडस्लैम सबसे अहम टूनामेंट होते हैं और एक और फाइनल में पहुंचना शानदार है। फेलिक्स ने कड़ा

मुकाबला दिया, उनकी फिटनेस को लेकर थोड़ी चिंता दिखी लेकिन मैं उन्हें शुभकामनाएँ देता हूँ। मैच में सिनर ने पहला सेट आसानी से जीता, जबकि ऑगर-अलियासिम ने दूसरा सेट जीतकर वापसी की। तीसरे सेट में सिनर ने अपनी लय वापस पाई और चौथे सेट में भी दबाव झेलते हुए शानदार सर्विस गेम के दम पर जीत हासिल की। अब फाइनल में उनका सामना अल्कराज से होगा, जिनसे उन्होंने इस साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन के फाइनल में भी मुकाबला किया था। तीन साल पहले दोनों खिलाड़ी यूएस ओपन क्वार्टरफाइनल में भी आमने-सामने आए थे, जहां अल्कराज ने जीत दर्ज की थी। सिनर ने कहा, ह्लमुझे लगता है हमारी प्रतिद्वंद्विता यहीं से शुरू हुई थी। अब हम दोनों अलग खिलाड़ी हैं और एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं। उम्मीद है कि फाइनल एक और यादगार मुकाबला होगा।ह्व

राजस्थान में बारिश से जनजीवन प्रभावित, आज दस जिलों में अलर्ट

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान के कई जिलों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। मौसम विभाग ने सोमवार को राज्य के दस जिलों बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 9 सितंबर से भारी बारिश का दौर थमने की संभावना है। बारिश के चलते सोमवार को उदयपुर (नगर निगम सीमा के स्कूलों को छोड़कर), सलूंबर, जालोर, डूंगरपुर, सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर और बालोतरा जिले में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई। उदयपुर-झाड़ोल-ईडर राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर सोमवार तड़के 4 बजे अंडावेला के पास लैंडस्लाइड हुई। पहाड़ियों से गिरे बड़े पत्थरों से हाईवे अवरुद्ध हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से मार्ग आंशिक रूप से खोला गया है। फिलहाल छोटे वाहन निकल रहे हैं, जबकि बसें और ट्रक अब भी फंसे हुए हैं। सिरोही के माउंट आबू में 24 घंटे में 6 इंच से ज्यादा बरसात हुई। रविवार को यहां सात घूम के पास सड़क का 100 फीट हिस्सा धंस गया। जैसलमेर और जयपुर में भी रविवार शाम तेज बारिश हुई। पाली में गणपति विसर्जन के दौरान बांडी नदी में दो युवक बह गए। भीलवाड़ा के शाहपुरा में कार बह गई। इसमें एक युवक की डूबकर मौत हो गई, जबकि दूसरा पेड़ पर चढ़कर बच निकला। अजमेर के सावर उपखंड के चिकल्या और लोधा का झोपड़ा गांव पिछले एक सप्ताह से बारिश के कारण टापू बने हुए हैं। बिसुंदनी और नाहर सागर बांध का पानी तेज बहाव से निकलने के कारण रास्ते क्षतिग्रस्त हो गए। इसी दौरान एसडीआरएफ की टीम नाव के जरिए गांव पहुंची और एक गर्भवती महिला को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। ग्रामीणों ने यहां पुलिया और उपस्वास्थ्य केंद्र निर्माण की मांग उठाई। सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा तहसील क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का बरामदा और अन्य हिस्सा सोमवार सुबह अचानक गिर गया। घटना स्कूल खुलने से कुछ घंटे पहले हुई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। शिक्षा विभाग पहले ही इस भवन को जर्जर घोषित कर चुका था, लेकिन समय पर कार्रवाई न होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। पिछले 24 घंटे में सिरोही के माउंट आबू में 160 मिमी, आबूरोड में 29 मिमी, देलदर में 25 मिमी, उदयपुर के कोटड़ा में 25 मिमी, फलासिया में 23 मिमी, प्रतापगढ़ में 36 मिमी, जोधपुर के शेरगढ़ में 23 मिमी और जालोर के जसवंतपुरा में 52 मिमी बारिश दर्ज की गई। हनुमानगढ़ के टिब्बी में 39 मिमी, तलवाड़ा झील में 32 मिमी, चित्तौड़गढ़ के राश्मी में 20 मिमी, भरतपुर के भुसावर में 27 मिमी, बाड़मेर के गुड़ामालानी में 29 मिमी और बांसवाड़ा के कुशलगढ़ में 18 मिमी पानी बरसा। वहीं अजमेर, जयपुर, ब्यावर, भीलवाड़ा, बालोतरा, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, झालावाड़, कोटा, पाली, फलोदी, अलवर, राजसमंद, सवाई माधोपुर और श्रीगंगानगर सहित कई इलाकों में भी हल्की से मध्यम बारिश दर्ज हुई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, मानसून ट्रफ वर्तमान में साउथ-वेस्ट राजस्थान से होकर श्योपुर, गुना, दमोह, माना, गोपालपुर होते हुए बंगाल की खाड़ी तक गुजर रही है। इसके अलावा एक अन्य ट्रफ साउथ-वेस्ट राजस्थान से उत्तरी गुजरात की ओर सक्रिय है। इनके असर से सोमवार को भी जोधपुर और उदयपुर संभाग में हल्की से मध्यम तथा कहीं-कहीं तेज बारिश देखने को मिल सकती है।

खतरे के निशान से ऊपर पहुंचकर स्थिर हुआ यमुना का जलस्तर

एजेंसी

औरैया : बीते चार दिनों से लगातार बढ़ रहा यमुना नदी का जलस्तर सोमवार को 113.13 मीटर पर जाकर स्थिर हो गया। जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर होने के बावजूद स्थिर होने से ग्रामीणों व प्रशासन ने राहत की सांस ली है। सिकरोड़ी पुल के बाद यमुना का पानी इटावाझऔरैया संपर्क मार्ग तक पहुंच गया है। वहीं, गौहानी कला मार्ग पहले से ही बंद है। ग्रामीण नावों की मदद से अपने घरों तक आ-जा रहे हैं। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य टीमें भेजी गई हैं, जो गांवों में पहुंचकर लोगों की जांच व दवा वितरण कर रही हैं। कोटा बैराज व हथनी कुंड से छोड़े गए पानी ने यमुना का स्तर तेजी से बढ़ा दिया था, जिससे किनारे बसे गांवों में अफरा-तफरी मच गई थी। सिकरोड़ी, गौहानी कला, गौहानी खुर्द, जाजपुर, असेवटा, जुहीखा, बडेरा, गूंज, ततारपुर और बबाईंन सहित दर्जनों गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा था। कटान तेज होने से सड़क और खेत भी जलमग्न हो गए। कई किसानों की मड़ैयां डूब गईं, जिससे लोग गांव छोड़कर ऊंचे स्थानों पर जाने की तैयारी में जुट गए थे। ग्रामीणों ने बताया कि पिछली बाढ़ की तबाही आज भी याद आते ही सिहरन पैदा कर देती है। यदि पानी और बढ़ा तो गांव पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगे। हालांकि अब जलस्तर स्थिर होने से हालात सामान्य होने की उम्मीद जताई जा रही है। पजिलाधिकारी निखिल राजपूत ने बताया कि यमुना का जलस्तर अब कम होना शुरू हो गया है। फिलहाल किसी खतरे की आशंका नहीं है, फिर भी प्रशासन सतर्क है और लगातार गांवों में जाकर राहत कार्य कर रहा है। स्वास्थ्य टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दवा वितरण और मरीजों का उपचार कर रही हैं।

दिल्ली में यमुना नदी के प्रवाह में कमी, पुराने रेलवे पुल पर जलं

एजेंसी

बरेली : उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के दौरान रेलवे प्रशासन ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए खास इंतजाम किए। 6 और 7 सितम्बर को आयोजित परीक्षा में हजारों परीक्षार्थी बरेली पहुंचे, जिन्हें किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसके लिए रेलवे ने बरेली जंक्शन से कई स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया। परीक्षार्थियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे अधिकारियों व कर्मचारियों ने दिनभर मोर्चा संभाले रखा। जंक्शन पर अतिरिक्त सहायता केंद्र खोले गए, जहां छात्रों को जानकारी और मदद दी जाती रही। साथ ही ट्रेनों की समय से उद्घोषणा होती रही जिससे परीक्षार्थियों को प्लेटफार्म पर भटकना न पड़े। खान-पान और पानी की व्यवस्था भी दुरुस्त रखी गई। भीड़ को देखते हुए रेलवे ने अतिरिक्त टिकट काउंटर भी खोले। वाणिज्य विभाग और आरपीएफ की टीम लगातार मैदान में रही और व्यवस्था संभालती रही। बावजूद इसके, अत्यधिक भीड़ के कारण रेलवे प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। परीक्षार्थियों और उनके परिजनों ने रेलवे की इन तैयारियों की सराहना की।

मुख्य वाणिज्य निरीक्षक सय्यद इमरान चिश्ती ने बताया कि ह्लपीईटी परीक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई। यात्रियों की भीड़ को संभालने के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर और सहायता केंद्र खोले गए। हमारी टीम लगातार सक्रिय रही ताकि किसी परीक्षार्थी को असुविधा न हो।ह्व

पालघर जिले में वृद्ध ने पत्नी की हत्या के बाद किया आत्महत्या का प्रयास

मुंबई : महाराष्ट्र के पालघर जिले में स्थित वसई में 80 वर्षीय वृद्ध पति ने बीमारी से तंग आकर पहले धारदार हथियार से अपनी पत्नी का गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद उसकी धारदार हथियार से खुद को खुद को भी मारने की कोशिश की, लेकिन वह बच गया। इस घटना की जानकारी मिलते ही वसई पुलिस की टीम ने वृद्ध को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती करवाया है और आगे की जाँच कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस कर्मी ने रविवार को बताया कि वसई इलाके में रहने वाले एक 80 वर्षीय और उनकी पत्नी कई वर्षों से लंबी बीमारी से बीमार चल रहे थे। दोनों अपने बेटे और बहू के साथ रहते थे, लेकिन हमेशा अपनी बीमारी को लेकर चिंतित रहते थे। शनिवार की रात को जब उनका बेटा और बहू घर से बाहर गए, उस समय वृद्ध पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर खुद की आत्महत्या करने का फैसला किया। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया, श्पति ने पहले अपनी पत्नी की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी और फिर उसी हथियार से खुद को मारने की कोशिश की।

ममता बनर्जी ने आशा भोसले को जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय संगीत जगत की महान गायिका आशा भोसले को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सोमवार सुबह माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पर एक ट्वीट कर मुख्यमंत्री ने लिखा कि वह आशा जी के उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर खुशियों की कामना करती हैं। इस अवसर पर उन्होंने आशा भोसले को संगीत की एक जीवित दिग्गज बताते हुए उनके योगदान को याद किया। आशा भोसले का जन्म आठ सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली जिले में हुआ था। वह आज 92 वर्ष की हो गईं। बचपन से ही संगीत उनके जीवन का हिस्सा रहा और उन्होंने महज 10 साल की उम्र में ही गाना शुरू कर दिया था। हिंदी फि ल्म जगत में उनका सफर वर्ष 1943 से आरंभ हुआ और उसके बाद से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। करीब आठ दशकों तक चली इस यात्रा में उन्होंने हजारों गीत गाए और अपनी आवाज से करोड़ों लोगों को मंत्रमुग्ध किया। आशा भोसले अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा मराठी, बांग्ला, गुजराती, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और अन्य कई भाषाओं में गीत गाए हैं। गजल, भजन, कव्वाली, लोकगीत और पॉप–हर शैली में उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। यही कारण है कि उन्हें गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में सबसे ज्यादा गाने रिकॉर्ड करने वाली गायिका के तौर पर दर्ज किया गया। उनके संगीत योगदान को देखते हुए उन्हें अनेक पुरस्कारों से नवाजा गया है। उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और पद्म विभूषण जैसे सर्वोच्च सम्मानों से सम्मानित किया गया।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में जोरदार तेजी का रुख

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले–जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आज चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मुनाफा वसूली का दबाव बन जाने की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 200 अंक से ज्यादा टूट कर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,481.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 21,700.39 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 45,457.31 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही।

एफटीएसई इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 9,208.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.31 प्रतिशत लुढ़क कर 7,674.78 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 173.35 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,596.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

मुख्यमंत्री साय आज सौर ऊर्जा जागरूकता अभियान एवं प्रोत्साहन समारोह में होंगे शामिल

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में आज सोमवार को आयोजित सौर ऊर्जा जागरूकता अभियान एवं प्रोत्साहन समारोह का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम आज दोपहर 11 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में किया जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप करेंगे। कार्यक्रम में रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा एवं मोतीलाल साहू सहित अन्य विशिष्ट अतिथि होंगे। उल्लेखनीय है कि इस अभियान के माध्यम से सौर ऊर्जा के महत्व को आमजन में बढ़ावा देने तथा स्थायी ऊर्जा विकल्पों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा। ऊर्जा सचिव डॉ. रोहित यादव ने इस कार्यक्रम में नागरिकों, ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों और हितधारकों से उपस्थित होने अपील की है। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ में स्वच्छ ऊर्जा के पक्ष में एक मजबूती कदम माना जा रहा है और राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद जगाता है।

शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत और अमेरिका के परस्पर संबंध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सुर में आई नरमी का असर आज घरेलू शेयर बाजार के शुरूआती कारोबार पर साफ-साफ नजर आ रहा है। आज शुरूआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी बनी हुई है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद मुनाफा वसूली का दबाव भी बना। इसके बावजूद दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में बने रहे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और एसबीआई के शेयर 2.67 प्रतिशत से लेकर 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एशियन पेंट्स, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, टाइटन कंपनी और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 1.01 प्रतिशत से लेकर 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,216 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,758 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 458 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 12 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 193.64 अंक की मजबूती के साथ 80,904.40 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक उछल कर 81,048.67 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिर कर 80,786.71 अंक तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में दोबारा तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 216.45 अंक की बढ़त के साथ 80,927.21 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 61.60 अंक उछल कर 24,802.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से ये सूचकांक उछल कर 24,845.70 अंक तक पहुंच गया। इस स्तर पर बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट भी आई। बिकवाली के दबाव में निफ्टी फिसल कर 24,758.50 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने दोबारा एक्टिव होकर खरीदारी शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में एक बार फिर तेजी का रुख बन गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 70.55 अंक की मजबूती के साथ 24,811.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 7.25 अंक यानी 0.009 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 80,710.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 6.70 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 24,741 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

आजमगढ़ में युवक की गला रेतकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

आजमगढ़ : जिले के जिले के धनारबाद गांव में बीती रात एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। देर रात तक घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की। खोजबीन में उसका शव घर से कुछ दूरी पर सिवान में पड़ा मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस जांच–पड़ताल में जुटी है। जहानागंज थाना क्षेत्र के धनारबाद गांव में रविवार की रात करीब 10 बजे एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतक जयहिंद राम 23 वर्ष सोमवार की शाम घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा परिजन उनकी तलाश में जुटे। खोजबीन के दौरान घर से कुछ दूरी पर सिवान में उनका शव पड़ा मिला। शव मिलने के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्राथमिक जांच में सामने आया कि युवक की गला रेतकर हत्या की गई है। थाना प्रभारी अतुल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू पर जांच की जा रही है।

प्रयागराज में पिता ने कुल्हाड़ी से बेटे को मौत के घाट उतारा

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में सोरांव थाना क्षेत्र के अहिबीपुर गांव में रविवार देर रात एक एक व्यक्ति ने अपने बेटे की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने हत्या करने वाले आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर पुष्कर वर्मा ने बताया कि सोरांव थाना क्षेत्र में स्थित अहिबीपुर गांव निवासी लालजी यादव रविवार रात शराब पीने को लेकर बेटे विनोद यादव 32 वर्ष से विवाद करने लगा। मामले को शांत कराने के लिए पत्नी और बेटी आगे आई तो दोनों को घर के अन्दर कमरे में बंद कर दिया और कुल्हाड़ी लेकर बेटे विनोद यादव की हत्या कर दी। हत्या की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने आरोपित को हिरासत में लिया और बेटे विनोद के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस टीम आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस संबंध में तहरीर लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

खैरागढ़ में गणेश विसर्जन के दौरान हिंसक झड़प में एक युवक की मौत

खैरागढ़/रायपुर : छत्तीसगढ़ के जिला खैरागढ़–छुईखदान–गण्डई के खैरागढ़ नगर में आज (सोमवार) की सुबह दो युवकों में हुई हिंसक झड़प में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए शवागार भेजा है। खैरागढ़ पुलिस के अनुसार गणेश विसर्जन के दौरान रातभर डीजे की धुन पर युवाओं ने नाच–गाना किया। सोमवार सुबह दाऊचौरा विसर्जन स्थल पहुँचने के कुछ दूर पहले, सांस्कृतिक भवन के पास दो युवकों के बीच कहा सुनी ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान एक युवक ने दीपक यादव (21 वर्ष), पिता स्व. रमेश यादव निवासी दाऊचौरा पर चाकू से हमला कर दिया। दीपक को कमर और हाथ पर चाकू से वार किया गया, जिससे वह लहूलुहान होकर मौके पर ही बेहोश हो गया। लहूलुहान हालत में उसे तत्काल सिविल अस्पताल खैरागढ़ लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपित युवक फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है।

नकाबपोश बदमाशों ने युवक पर बरसाईं गोलियां, हालत गंभीर ट्रामा सेंटर रेफर

जौनपुर : सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के उडाली गांव में रविवार रात एक मोटरसाइकिल पर तीन नकाबपोश बदमाशों ने 40 वर्षीय युवक पर अंधाधुंध फायरिंग कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से बदमाश फरार हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा कहा डॉक्टरों में हालात गंभीर बताकर वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के उडली गांव के निवासी लालता यादव का (40) पुत्र योगेंद्र रविवार रात अपने घर से करीब 150 मीटर दूर सड़क किनारे खड़ा होकर गांव के किसी व्यक्ति से बातचीत कर रहा था। तभी एक बाइक पर सवार नकाबपोश तीन बदमाश मौके पर पहुंचे और योगेंद्र पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की तड–तडाहत से आसपास के लोग सहम गए और जब तक लोग घर से बाहर निकल कर योगेंद्र के पास पहुंचते तब तक बाइक पर सवार तीनों बदमाशों जंगीपुर खुर्द के तरफ भाग खड़े हुए उधर लोगों ने देखा कि योगेंद्र के कंधे और पेट में गोली लगने की चोट बनी हुई है परिजनों ने तुरंत घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दे दी। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस ने पहुंचकर घायल को एंबुलेंस से इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए योगेंद्र को रेफर कर दिया,उधर पुलिस ने जब मौके की तहकीकात शुरू की तो घटनास्थल से ही एक खोखा भी बरामद किया ।इस मामले में जानकारी लेने पर सोमवार को थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि घायल को इलाज के लिए भेजा गया है। मौके से 1 खोखा बरामद किया गया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है ।परिजनों द्वारा अभी कोई तहरीर नहीं मिली है ।पुलिस अपनी जांच पड़ताल में जुटी है। सीसीटीवी कैमरे से जानकारी किया जा रहा है। अगर आसपास कोई कैमरा लगा होगा तो जानकारी मिलते ही अवगत कराया जाएगा।

कोलकाता पुलिस दुर्गा पूजा समितियों से करेगी बैठक, सुरक्षा और नियमों पर होगी चर्चा

कोलकाता : आगामी दुर्गा पूजा पर्व को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए कोलकाता पुलिस ने तैयारी तेज कर दी है। पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने 10 सितम्बर को दुगार्पुर स्थित धन धान्य ऑडिटोरियम में सभी प्रमुख पूजा समितियों की बैठक बुलाई है। इस बैठक में त्योहार की तैयारियों से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में उन्हीं समितियों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है जिनकी पूजा पंडालों में भारी भीड़ उमड़ती है। प्रत्येक बड़ी पूजा समिति से दो प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। कुल मिलाकर लगभग डेढ़ हजार प्रतिभागी इस बैठक में शामिल होंगे। इनके साथ कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, कोलकाता नगर निगम, बिजली आपूर्ति करने वाली कंपनी सीईएससी, अग्निशमन विभाग, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य प्रशासनिक एजेंसियों के प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल रहेंगे।

बैठक में ऑनलाइन अनुमति प्रक्रिया, उच्च न्यायालय के निदेशों का पालन, चंदा संग्रह की व्यवस्था, पंडाल निर्माण से जुड़ी पाबंदियां, प्रतिमा विसर्जन का समय निर्धारण और यातायात प्रबंधन जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इसके अलावा विभिन्न विभागों और पुलिस के बीच समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया जाएगा ताकि पर्व के दौरान कानून व्यवस्था बनी रहे।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हर साल दुर्गा पूजा के समय भीड़ नियंत्रण, यातायात जाम, ध्वनि प्रदूषण और चंदा संग्रह जैसी शिकायतें सामने आती हैं। इस बार ऑनलाइन अनुमति प्रक्रिया को और आसान बनाया गया है ताकि समितियों को सुविधा हो। पुलिस आयुक्त समितियों को यह स्पष्ट संदेश देंगे कि यदि किसी ने अदालत के आदेशों और प्रशासनिक पाबंदियों की अनदेखी की तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कोलकाता पुलिस का उद्देश्य है कि सभी पक्षों के सहयोग से इस बार दुर्गा पूजा को शांति और उत्साह के माहौल में संपन्न कराया जाए।

मप्र: समाधान ऑनलाइन आज, मुख्यमंत्री करेंगे लोगों की समस्याओं का निराकरण

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज सोमवार को सायं चार बजे से लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों पर सुनवाई करेंगे और विभिन्न जिलों के आवेदकों की समस्याओं का निराकरण करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दी जा रही सेवाओं और योजनाओं की समीक्षा भी करेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिकायतों के निराकरण का कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से फीडबैक लेंगे। शिकायतों का निराकरण करने में देरी करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई भी की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में इस बार प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पंजीयन व राशि के भुगतान से संबंधित प्रकरणों, हैंडपंप के रखरखाव, संबल योजना, राशन कार्ड, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक व अन्य के द्वारा योजना का लाभ दिलाने के लिए अनुचित राशि की मांग तथा छात्रवृत्ति संबंधित लंबित शिकायतों के निराकरण की भी समीक्षा करेंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

लोगों को अपने जीवन में सत्य मार्ग अपनाने पर बल दिया

साहिबगंज : भादो मास की पूर्णिमा पर रविवार को महात्मा गांधी चौक स्थित कबीर आश्रम में एक दिवसीय सत्संग और भंडारा का आयोजन किया गया। सत्संग में बिहार,बंगाल,झारखंड एवं कई राज्यों से संत,महात्मा,श्रोता,वक्त और साध्वी ने भाग लिया।सभी वक्ताओं ने अपने-अपने प्रवचनों के माध्यम से लोगों को जीवन जीने की शैली का ज्ञान दिया। संत गरीब साहब व महंत राम प्रवेश ने मुख्य वक्ता के रूप में लोगों को अपने जीवन में सत्य मार्ग अपनाने पर बल दिया और लोगों को क्रोध पर काबू रखने की सीख दी।क्रोध को लेकर भ्रंतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि क्रोध मनुष्य के भीतर मौजूद होता है और बाहर आने के अवसर की तलाश में रहता है।अगर क्रोध भीतर नहीं है तो कोई कैसे भी क्रिया करे लेकिन उस पर हमारी कोई प्रतिक्रिया नहीं होगी।क्रोध के बाहर निकालने से खुद का सर्वनाश होता है। हमारी मानसिक अवस्था व सेहत खंडित हो जाती है।शांति का निश्चित रूप से परिणाम बहुत संतोषजनक और हितकर होता है।मौके पर महंत रामानंद साहब, महंत गोपाल साहब,महंत डॉ विद्यानंद सागर,संत तूफानी,संत किस्टो साहब, संत मति सहाब,संत वेदानंद साहब,संत खिलाड़ी बाबा,संत चेतन साहब,संत लक्ष्मण साहब,संत संजय साहब,संत आशा दासी,भाई साहब,साध्वी संत चमेली,संत अरुण साहब,महंत बंकेज साहब,संत आरती,संत देवंती साध्वी,संत महावती साध्वी,संत मुनिया साध्वी,महंत दिनेश साहब,संत गायत्री साध्वी सहित दर्जनों थे।कार्यक्रम के व्यवस्थापक महंत शंकर दास एवं समस्त संत परिवार की ओर से भंडारा का आयोजन किया गया।

एलसीसी कंप्यूटर क्लासेस द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफल आयोजन

साहिबगंज : एलसीसी कंप्यूटर क्लासेस के तत्वावधान में मौर्या बैंक्वेट हॉल में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सर्वोदय बाल विद्यालय के प्राचार्य उमनाथ पंडित,सूर्या नर्सिंग एजुकेशनल कॉलेज एवं सूर्या पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ।सुमित कुमार और सीए मनीष पोद्दार उपस्थित रहे।कार्यक्रम मे छात्र-छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भाग लिया।कार्यक्रम की सफलता में एल।सी।सी।कंप्यूटर के निदेशक उत्तम कुमार,सचिव मधुमिता कुमारी,सीनियर फैकल्टी गौरव झा,तथा अंकित,शिवम,खुशी,सोनल और राज वर्मा का विशेष योगदान रहा।यह कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को उजागर करने में सफल रहा बल्कि सभी में नए उत्साह और आत्मविश्वास का संचार भी किया।

विजेताओं की सूची इस प्रकार रही डांस प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार तात्सवी एवं समूह, द्वितीय पुरस्कारझअंकित एवं तात्सवीसिंगिंग प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कारश्रेया कुमारी उपस्थित रहे।

धनबाद के कुमारधुबी में चोरों का तांडव, एक ही रात में 8 घरों में की चोरी

धनबादः बीती रात चंद्र ग्रहण था और एक ग्रहण कुमारधुबी ओपी थाना क्षेत्र के बगानधौड़ा में भी लगा, जहां एक ही रात में चोरों ने आठ घरों का ताला तोड़ कर चोरी की और फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद कुमारधुबी ओ। पी। प्रभारी राजेश लोहरा दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी लेते हुए जांच में जुट गए।

इधर एक साथ आठ घरों में चोरी की घटना ने क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन सभी घरों में किसी के नहीं रहने के कारण चोरी कितने की हुई है इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सका है। स्थानीय लोगों ने पुलिस पर नाराजगी जताई है। लोगें का कहना है कि पुलिस सोती रही और चोर अपना काम करते रहे।

एक मकान मालिक ने बताया कि वह भी बाहर गए हुए थे, आकर देखा तो पूरे घर का सामान बिखरा हुआ था। घर के जेवरात और कुछ नगदी की भी चोरी हो गई है। अभी कितने की चोरी हुई है यह नहीं बता पाएंगे।

लोगों का कहना है कि जिन आठ घरों में चोरी हुई है वह सब लगभग आधा किलोमीटर के दायरे में आते हैं और इस घटना को अंजाम देने में कम से कम चार घंटे लगे होंगे। इतने समय में किसी को भनक नहीं लगी। यह बड़ी बात है। लोगों को यह भी कहते हुए सुना गया कि बगानधौड़ा में शराबियों एवं जुआरियों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। पुलिस अगर चाहे तो इस घटना का उद्भेदन चौबीस घंटे में ही संभव है।

हटिया मेमू गोमो तक और झाड़ग्राम मेमू चलेगी बोकारो तक

धनबाद : दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में रॉलिंग ब्लॉक के मद्देनजर ट्रेनों के आवागमन में बदलाव किया गया है। हटिया-वर्दमान-हटिया मेमू 9, 11, 12 और 14 सितंबर को गोमो तक ही जाएगी और गोमो से ही लौटेगी। इसी तरह झाड़ग्राम-धनबाद-झाड़ग्राम मेमू 8, 12 और 14 सितंबर को बोकारो तक आएगी और वहीं से लौटेगी।

आदिवासी समाज के धार्मिक गुरु ओत गुरु कोल लाको बोदरा की 106वीं जयंती मनाया

संवाददाता

बंदगांव : बंदगांव प्रखण्ड के अंतर्गत नकटी पंचायत प्रांगण में आदिवासी समाज के महान धार्मिक गुरु, ओत गुरु कोल लाको बोदरा की 106वीं जयंती धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस विशेष अवसर पर पूरे पंचायत क्षेत्र से आदिवासी समुदाय के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी ने ओत गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया। इस शुभ दिन पर बाल अधिकार सुरक्षा मंच सह पंचायत समिति सदस्य श्री तीरथ जामुदा, विजय कुमार मेलगंडी, मुखिया कुश पूर्ति, मिथुन गगराई, सावित्री मेलगंडी, सुखमाती जोंको, लक्ष्मी गगराई, अनंत कुमार हेंब्रम, एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति, सभी मुखिया, मुंडा मानकी सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी भी उपस्थित थे।कार्यक्रम का शुभारंभ ओत गुरु लाको बोदरा के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन करके श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ। इसके पश्चात पारंपरिक आदिवासी नृत्य और गीतों की प्रस्तुति हुई, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ढोल, नगाड़े और मांदर की थाप पर नर्तकों ने अपनी कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। इसके बाद वक्ताओं ने ओत गुरु कोल लाको बोदरा के जीवन, उनके संघर्षों, उनके बलिदान और उनके द्वारा समाज के उत्थान के लिए किए गए अनगिनत कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ओत गुरु के सामाजिक, धार्मिक और राजनैतिक योगदान को स्मरण किया और उनके आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा दी।तीरथ जामुदा ने अपने उद्बोधन में समाज के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें इस क्षेत्र में और अधिक प्रगति करनी होगी ताकि हमारा समाज आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और बच्चों को शिक्षित

करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया।मुखिया कुश पूर्ति ने कहा कि हमें ओत गुरु लाको बोदरा के आदर्शों और मार्ग पर चलना है और उनके विचारों को समाज में, विशेषकर युवा पीढ़ी में, प्रसारित करना है। उन्होंने युवाओं और महिलाओं को व्यापार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्वावलंबन ही सच्ची आजादी की नींव है।अनंत कुमार हेंब्रम ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में युवा पीढ़ी नशे की ओर तेजी से बढ़ रही है, जो उनके भविष्य के लिए बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि इससे हमारा समाज कमजोर होगा और पूंजीपति हमारी जमीन हड़प लेंगे। उन्होंने सभी से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और युवाओं को इस बुराई से बचाने की अपील की। उन्होंने ओत गुरु के द्वारा आदिवासियों के उत्थान, शिक्षा और सामाजिक न्याय के लिए दिए गए योगदान को याद किया। कार्यक्रम के अंत में हो भाषा में परीक्षा में सफल छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर भोजन का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

डीसीए के साथ मिलकर जेएससीए करता रहेगा सुधार के काम : शाहदेव

संवाददाता

धनबाद : धनबाद में क्रिकेट का इंफ्रास्ट्रक्चर काफी बेहतर है। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन धनबाद क्रिकेट संघ के साथ मिलकर यहां इसमें और भी सुधार का कार्य करता रहेगा, ताकि क्रिकेटरों को सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उक्त बातें रविवार को जेएससीए के अध्यक्ष अजयनाथ शाहदेव ने धनबाद क्लब के ऑडिटोरियम में आयोजित डीसीए के वार्षिक सम्मान समारोह के दौरान अपने संबोधन में कही।

इस दौरान डीसीए के सत्र 2024-25 के लिए चयनित क्रिकेटर ऑफ द ईयर के साथ ही विभिन्न टूनार्मेंटों में सर्वाधिक रन बनाने या विकेट लेने वालों को सम्मानित किया गया। अतिथियों में जेएससीए के पूर्व सचिव राजेश वर्मा, पूर्व कोषाध्यक्ष राजीव बधान, कार्यकारिणी सदस्य रत्नेश कुमार सिंह, धनबाद के पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, नगर आयुक्त रविराज शर्मा के अलावा डीसीए के अध्यक्ष मनोज कुमार, वरीय उपाध्यक्ष साधवेंद्र सिंह आदि थे। संचालन महासचिव बिनय कुमार सिंह ने किया।

सबसे ज्यादा टर्फ विकेट धनबाद में

जेएससीए के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि धनबाद में टर्फ विकेट वाले जितने मैदान हैं, उतना अन्य जिलों में नहीं है। अगर यहां से क्रिकेटर उभरकर सामने आते हैं और वे राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रोशन करते हैं, तो यह हमारी उपलब्धि होगी। उन्होंने डीसीए के पदाधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जिला क्रिकेट सही दिशा में जा रहा है। वहीं पूर्व सचिव राजेश वर्मा ने कहा कि धनबाद से मेरी भावनाएं जुड़ी हैं। मेरे कार्यकाल में यहां बीसीसीआई के काफी मैचों का आयोजन हुआ। धनबाद से हमेशा स्टेट एसोसिएशन को सहयोग मिलता रहा है। यहां क्रिकेट के विकास में अच्छा कार्य हुआ है। यहां से शाहबाज नदीम व अनंदिता किशोर जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी मिले हैं। वहीं पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल ने कहा कि धनबाद में क्रिकेटर पनपे, पले-बढ़े, यही उनकी कामना है। उन्होंने क्रिकेट प्रतिभाओं को शुभकामनाएं दीं।

2028 में डीसीए के 50 वर्ष होंगे पूरे

डीसीए के अध्यक्ष मनोज कुमार ने संघ की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि 2028 में डीसीए के 50 वर्ष पूरे हो जाएंगे। इसे लेकर हमने मिशन-2028 लांच किया है। हमारा लक्ष्य है कि झारखंड की सभी आयु वर्गों की टीमों में धनबाद का प्रतिनिधित्व रहे। हम चाहते हैं कि धनबाद व झारखंड एक क्रिकेट हब बने। बाहर से क्रिकेटर यहां ट्रेनिंग लेने आयें। धनबाद की अनंदिता किशोर की उपलब्धियों पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने एक बार फिर धनबाद प्रीमियर लीग के आयोजन की घोषणा की। इस अवसर पर जामताड़ा क्रिकेट संघ के अध्यक्ष योगेश कुमार सिंह, दुमका क्रिकेट संघ के महासचिव अजीत भास्कर, रांची के सुनील साहू, विनय बिहारी कर्ण, बीसीसीएल की किरणरानी नायक, डीपीएस की प्राचार्य डॉ सरिता सिन्हा, सूर्या रियलकॉन के संतोष कुमार सिंह, जिला चैंबर आफ कामर्स के अध्यक्ष चेतन गोयनका, नंदलाल अग्रवाल को सम्मानित किया गया।

क्रिकेटर ऑफ द ईयर बने कोनैन व अनंदिता

क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए पुरुष सीनियर में कोनैन कुरैशी, महिला सीनियर में अनंदिता किशोर, पुरुष जूनियर में सिद्धार्थ सिन्हा एवं महिला जूनियर में वृष्टि को सम्मानित किया गया। वहीं सभी टूनामेंट के विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया। समारोह में डीसीए के पदाधिकारियों में ललित जगनानी, रविजीत सिंह डांग, मनोज कुमार सिंह, संजीव झा, जावेद खान, बाल शंकर झा, बीएच खान, सुनील कुमार, धर्मेंद्र कुमार, अभिजीत घोष, राजन सिन्हा, द्वारिका तिवारी, संजीव राणा, सुधीर पांडेय, रत्नेश सिंह, संजय कुमार, नीरज पाठक, दीपक कुमार, ज्ञान रंजन व अन्य उपस्थित थे।

कोड़ा एवं मुदी जनजातीय समाज के विद्यार्थियों को किया जाएगा सम्मानित : उत्तम मुदी

चक्रधरपुर : सरायकेला खरसावां जिला के पदमपुर सीनी ग्राम में कोड़ा तथा मुदी जनजातीय समाज की बैठक समाज के वरिष्ठ मोतीलाल मुदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पश्चिमी सिंहभूम तथा सरायकेला खरसावां जिला के कोड़ा और मुदी जनजाति समाज के लोग उपस्थित थे। बैठक में सर्वसम्मति से समाज की एकता पर विचार विमर्श एवं रणनीति बनाई गई। बैठक में त्रि स्तरीय विस्तार किया गया। इसमें प्रखंड स्तर, जिला स्तर एवं मार्गदर्शन सलाहकार टीम का गठन की गई।इस मौके पर मोतीलाल मुदी ने कहा कि समाज के उत्थान के लिये सब को आगे आने की जरूरत है।उन्होंने कहा आपसी एकता से ही समाज का विकास हो सकता है।उन्होंने समाज के तमाम लोगों से अपील किया कि समाज के कार्यक्रम में सभी लोग बढ़ चढ कर जरूर हिस्सा लें।समाज के वरिष्ठ उत्तम मुदी ने कहा कि जो समाज में योग्य कर्मठ तथा समाज के लिए समर्पित व्यक्ति हैं, उन व्यक्तियों को चिन्हित कर संगठन की जिम्मेदारी दी जा रही है। उन्होंने कहा हमारे समाज को आगे बढ़ाने हेतु कई कार्यक्रम किए जाएंगे। जिसमें जो भी बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं एवं परीक्षा में बेहतर परिणाम ला रहे हैं उन बच्चों को भी चिन्हित कर समाज की ओर से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा हमारे समाज के बहुल गांव में जन जागरूकता अभियान भी चलाई जाएगी। जिससे लोगों को सरकार की ओर से मिलने वाली सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा अब संगठन रफ्तार गति से गांव-गांव में प्रोग्राम करेगा और जन समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इस मौके पर राहुल मुदी ,कृष्णा मुदी, दीनबंधु मुदी, राजेश कुमार मुदी ,रमेश,उमाशंकर, पिंटू,हरमोहन,प्रेमचंद ,राजेश कुमार,गुरुदेव मुदी एवं अन्य कोर कमेटी के सभी सक्रिय सदस्य उपस्थित थे।

शिबू सोरेन व रामदास सोरेन को दी गयी श्रद्धांजलि

मानगो : बाजार स्थित जनक सिंह कॉम्प्लेक्स में रविवार को झामुमो मानगो नगर समिति की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। झामुमो के नेताओं व स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन और रामदास सोरेन को उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश चंद्र सोरेन भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने महाजनों के चंगुल से गरीब और मजदूरों को बचाया। लड़कर अलग झारखंड राज्य को बनाया। अलग झारखंड के आंदोलन में बाबा रामदास सोरेन ने भी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के साथ कदम से कदम मिलाकर चले और उनके साथ खड़े रहे। झामुमो मानगो नगर अध्यक्ष फतेह चंद्र टुडू ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा संघर्षों से जन्मा है। झामुमो गुरुजी और रामदास के दिखाये व बताये राह पर चलकर संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए जनहित के मुद्दे पर सदैव अपनी आवाज को बुलंद करेगा। इस अवसर पर फतेह चंद्र टुडू, शेख अजहरूद्दीन, प्रमोद लाल, सुनील महतो, चंद्रावती महतो, रंजीत देव, उमानाथ झा, रमेश मुर्मू, गोपाल महतो, फैयाज खान, विनोद डे, प्रीतम हेंब्रम, सनातन हांसदा समेत काफी संख्या में पार्टी के नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

मिशन मोदी अगेन पीएम महिला मोर्चा का हुआ विस्तार

संवाददाता

जमशेदपुर : साकची जेल चौक के समीप मिशन मोदी अगेन पीएम महिला मोर्चा की बैठक हुई, जिसमें संगठन की जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। बैठक में चंदना रानी को संयोजक मनोनीत किया गया, जबकि जिलाध्यक्ष प्रीति सिन्हा ने महिला मोर्चा की नई टीम की घोषणा की। पप्पी शर्मा, मोंटी सेनगुप्ता, गौरी, माला तिवारी, मनिंदर कौर, अरुणा श्रीवास्तव और प्रियंका रानी समेत 15 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। वहीं, राजू शर्मा को प्रदेश सहसूचना प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में मिशन मोदी अगेन पीएम के 50 से अधिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें प्रदेश महामंत्री घनश्याम पांडे, रामचंद्र, जिला उपाध्यक्ष अशोक सिंह, नरेंद्र, संजीव तिवारी, अरुण दुबे, प्रह्लाद, आशीष पोद्दार, नरेंद्र साहू, अंकित गुप्ता, अवधेश कुशवाहा और प्रवित मोहन शामिल थे। बैठक में संगठन विस्तार और आगामी गतिविधियों पर चर्चा की गई।

बिरहोर बच्चे के सांप काटने मामले में सीएम हेमंत सोरेन ने लिया संज्ञान

डीसी को बेहतर इलाज के दिए निर्देश

संवाददाता

कोडरमाः जिले के डोमचांच प्रखंड अंतर्गत नवलशाही निवासी 12 वर्षीय दीपक बिरहोर पिछले दिनों एक जहरीले सांप के काटने से जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा था। यह सोशल मीडिया पर वायरल हुई। जिस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संज्ञान लेते हुए कोडरमा डीसी को उक्त बिरहोर बालक के स्वास्थ्य पर तत्काल संज्ञान लेने एवं हर संभव मदद पहुंचाने का निर्देश दिया।

पीड़ित बच्चे का इलाज जारी

सीएम हेमंत सोरेन के ट्वीट के बाद जिला प्रशासन हरकत में आई और उपायुक्त ने डोमचांच

बीडीओ और सीओ को निर्देश देते हुए पीड़ित परिवार से मिलने को कहा। जिसके बाद रविवार देर रात डोमचांच के बीडीओ व सीओ पीड़ित बिरहोर के घर पहुंचे और पीड़ित बच्चे दीपक बिरहोर के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित को एम्बुलेंस के माध्यम से सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया। जहां बच्चे का इलाज किया जा रहा है।

एक हफ्ता पहले बच्चे को काटा था सांप

इधर, कोडरमा उपायुक्त ने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित बिरहोर बच्चे को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल प्रबंधन को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। साथ ही समुचित योजना के अंतर्गत पीड़ित को लाभान्वित करने की कार्रवाई की जा रही है।

बता दें कि 1 सितंबर को दीपक बिरहोर बगुले का शिकार करने घर से सटे जंगल गया हुआ था। इसी दौरान उसे एक जहरीले सांप ने काट लिया था। जिसके बाद परिजनों द्वारा उसे आनन-फानन में सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को देखते हुए उसे रांची रिम्स रेफर कर दिया था।

इलाज के बावजूद भी दीपक बिरहोर की स्थिति में वहां कोई सुधार नहीं हुआ। जिसके बाद परिजनों ने उसे वापस घर ले आया। इससे उसकी हालत और खराब बिगड़ती जा रही थी। वह बीते 2-3 दिनों से जिंदगी और मौत से जूझ रहा था। हालांकि जिला प्रशासन द्वारा इस त्वरित कार्रवाई के बाद पीड़ित के परिजनों ने राहत की सांस ली है।